दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 322/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 08 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

ओडिशाः पुरी में सुबह राष्ट्रपति ने समुद्री तट पर लहरों और हवाओं का लिया आनंद

सांध्यप्रकाश विशेष

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स, 9वीं बार वापसी को टाला गया!

सुनीता विलियम्स और मिशन कमांडर बुश विलमोर को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में 8 दिन रुकने के बाद 13 जून को धरती पर वापस लौटना था। लेकिन, उनके स्पेसक्राफ्ट में टेक्निकल फॉल्ट हो गया। हीलियम गैस के रिसाव के चलते अब तक दोनों धरती पर नहीं लौट पाए। सुनीता विलियम्स और विलमोर के अलावा स्पेसक्राफ्ट में करीब 345 किलो का सामान भी है। सुनीता और विलमोर पहले एस्ट्रोनॉट्स हैं, जो एटलस वी रॉकेट के जरिए स्पेस ट्रैवेल पर गए। इस मिशन के दौरान उन्हें स्पेसक्राफ्ट को मैन्युअली उड़ाना था। नासा के अधिकारियों ने बार-बार संकेत दिया है कि स्टारलाइनर मिशन से एस्ट्रोनॉट्स धरती पर सुरक्षित वापस आएंगे।

सुनीता विलियम्स और बुश विलमोर ले जाने वाला स्पेसक्राफ्ट 5 जून को लॉन्च किया गया था। बीते महीनों में कई कारणों से स्टारलाइनर की लॉन्चिंग टाली जा चुकी है। आखिरकार 5 जून को इसकी लॉन्चिंग हुई। सुनीता विलियम्स स्पेसक्राफ्ट की पायलट हैं और बुश विलमोर मिशन कमांडर। 25 घंटे के सफर के बाद दोनों इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे। इतने कम समय में ढ्ढस्स् पहुंचने का भी यह एक रिकॉर्ड है। स्पेसक्राफ्ट के पास कितना फ्यूल है, ये चिंता का विषय है। दरअसल, स्टारलाइनर स्पेस स्टेशन के हार्मनी नाम के जिस मॉड्यूल से जुड़ा है, उसकी फ्यूल कैपेसिटी सीमित होती है। स्पेसक्राफ्ट के पास सिर्फ 24 दिन का फ्यूल बचा है

वापसी 9 बार टाली जा चुकी

लॉन्चिंग में देरी के अलावा 9 बार स्पेसक्राफ्ट की धरती पर वापसी भी टाली जा चुकी है। स्पेसक्राफ्ट को 13 जून को लौटना था। सबसे पहले 9 जून को स्पेसक्राफ्ट की वापसी टाली गई थी। बताया गया कि लैंडिंग को 18 जून तक आगे बढ़ाया जा रहा है। फिर वापसी की तारीख 22 जून कर दी गई। इसके बाद 26 जून हो गई। हाल ही में नासा ने कहा कि दोनों एस्ट्रोनॉट को धरती पर वापस आने में वक्त लग सकता है। बीते दिनों सुनीता और विलमोर के स्पेस में फंसने की खबर आई। अभी नासा ने उनके मिशन से लौटने की कोई तारीख नहीं बताई।

सुनीता विलियम्स को लेकर नासा का ताजा अपडेट

नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के मैनेजर स्टीव स्टिच ने बोइंग स्टारलाइनर के क्रू मॉड्यूल बैटरियों की लाइफ और उनकी परफॉर्मेंस के बारे में अपडेट दिया। इस बीच अमेरिकी मीडिया ष्टहृहृ के हवाले से बताया कि बोइंग स्टारलाइनर के मिशन में 45 दिनों से लेकर 90 दिनों तक की देरी हो सकती है। नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम मैनेजर स्टीव स्टिच के बयान का हवाला देते हुए कहा कि अधिकारियों ने बार-बार संकेत दिया है कि स्टारलाइनर मिशन से एस्ट्रोनॉट्स धरती पर सुरक्षित वापस आएंगे।

फ्यूल खत्म हो गया तो क्या होगा

स्पेसक्राफ्ट में फ्यूल खत्म हो जाने के बाद इसे ढ्ढस्स् में डॉक नहीं किया जा सकता। इस केस में नासा को सुनीता विलियम्स और बुश विलमोर को वापस लाने के लिए कोई और इंतजाम करना होगा। ऐसी स्थिति में नासा का कोई दूसरा स्पेसक्राफ्ट एस्ट्रोनॉट्स को लाने जा सकता है या अमेरिका में एलन मस्क की प्राइवेट स्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' का कोई स्पेसक्राफ्ट उन्हें लाने जा सकता है। इन स्पेसक्राफ्ट को खास तरीके से बनाया गया है। ताकि ये डेडलाइन पर स्पेस भेजे जा सके। लेकिन अभी यह स्थिति नहीं आई है।

रूस दौरे पर रवाना हुए पीएम मोदी

बोले- दोस्त पुतिन के साथ सहयोग पर समीक्षा को तैयार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे के लिए रवाना हो गए। इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने भारत-रूस के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी पिछले दस वर्षों में आगे बढ़ी है।

मॉस्को दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा, ÷मैं अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए उत्सुक हूं।÷ रूस के अलावा पीएम मोदी ऑस्ट्रिया दौरे पर भी जाएंगे। उन्होंने ऑस्ट्रिया को भारत का दृढ़ और विश्वसनीय भागीदार बताया। पीएम मोदी ने कहा, ÷हम लोकतंत्र के आदर्शों को साझा करते हैं। मैं नए क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने की आशा करता हूं।

पीएम मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री तीन दिन रूस और ऑस्ट्रिया में रहेंगे। उनकी ये यात्राएं उन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का अवसर है, जिनके साथ भारत की परखी हुई दोस्ती है। उन्होंने कहा, मैं इन देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।

मोहन यादव सरकार का दूसरा कैबिनेट विस्तार

राज्यपाल ने नव नियुक्त मंत्री रामनिवास रावत को शपथ दिलाई

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश शासन के मंत्री के रूप में श्री रामनिवास रावत को पद और गोपनीयता की आज राजभवन में शपथ ग्रहण कराई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने विधायक श्री रामनिवास रावत को प्रदेश सरकार में मंत्री बनने के बाद बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्रिमंडल में आज नए सदस्य का आगमन हुआ है। श्री रावत सार्वजनिक जीवन में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं, वे चंबल अंचल के श्योपुर जैसे विकास की संभावनाशील जिले को प्रभावी प्रतिनिधित्व प्रदान कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री के रूप में उनके अनुभव का लाभ पूरे मंत्रिमंडल और सभी प्रदेशवासियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजभवन में श्री रामनिवास रावत के शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह बात कही।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत और ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद श्री वी. डी. शर्मा और महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय भी उपस्थित थी। शपथ विधि समारोह का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रावत का राजनीतिक सफर

रामनिवास रावत विजयपुर विधानसभा से 6वीं बार के विधायक हैं। उन्होंने साल 1987 से राजनीतिक पारी की शुरुआत की। उस समय ब्लॉक युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए। 1988 में कृषि उपज मंडी समिति विजयपुर के अध्यक्ष, 1990-1993 में प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष चुने गए। 1990 में नौवीं, 1993 में दसवीं, 2003 में बारहवीं और 2008 में तेरहवीं विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। इसके बाद 1993-98 में राज्यमंत्री और 1998 में मंत्री रहे। 2000 से 2008 तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रहे। 2013 में 5वीं बार विधानसभा सदस्य चुने गए।

विधायक की 15 मिनट में दो बार शपथ की कहानीः पहले राज्यमंत्री, फिर कैबिनेट मंत्री की शपथ ली

स्थान- राजभवन का ऑडिटोरियम, समय सुबह 9.03 बजे

मैं रामनिवास रावत.... मध्यप्रदेश के राज्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का श्रद्धापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से निर्वहन करूंगा।

स्थान-राजभवन का दरबार हॉल, समय सुबह 9.18 बजे

मैं रामनिवास रावत... मध्यप्रदेश के राज्य के मंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का श्रद्धापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से निर्वहन करूंगा।

मध्यप्रदेश के इतिहास में संभवतः ऐसा पहली बार हुआ जब किसी विधायक को 15 मिनट के अंदर दो बार मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इसकी वजह भी दिलचस्प रही। सिर्फ %के% शब्द नहीं बोलने की वजह से विधायक रामनिवास रावत को ऐसा करना पड़ा।

दरअसल, 68 दिन पहले भाजपा जॉइन करने वाले कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत को सोमवार को डॉ. मोहन यादव सरकार में शामिल किया गया। उन्हें कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ दिलाई जानी थी। राजभवन को दी गई सूचना से लेकर सभी दस्तावेज में कैबिनेट मंत्री का जिक्र था। रावत शपथ लेने के दौरान बड़ी गलती कर गए। शपथ पत्र में उन्हें राज्य के मंत्री के रूप में शपथ लेने की बात लिखी गई, लेकिन उन्होंने इसे राज्यमंत्री पढ़ दिया। हालांकि, पहला कार्यक्रम रिकॉर्ड में नहीं लिया गया।

राहुल का मणिपुर-असम दौराः हिंसा और बाढ़ प्रभावितों से मिले

इंफाल/गुवाहाटी एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को असम और मणिपुर के दौरे पर हैं। राहुल सुबह 10 बजे पहले असम के सिलचर पहुंचे। उन्होंने फुलेरताल के थलाई इन यूथ केयर सेंटर में राहत शिविर का दौरा किया। यह इलाका हिंसा प्रभावित मणिपुर से लगा हुआ है। राहुल असम में 1 घंटे रुकने के बाद करीब 12 बजे मणिपुर के जिरिबाम पहुंचे। राहुल के मणिपुर आने से पहले रात 3-30 बजे जिरिबाम के फिटोल गांव में उपद्रवियों ने सुरक्षाबलों के कैस्पिर वैन (एंटी लैंड माइन वैन) पर फायरिंग की। उन्होंने एक फायर ब्रिगेड के वाहन को भी निशाना बनाया। सुरक्षाबलों ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है।

राहुल दोपहर 3.30 बजे वे चुराचांदपुर में मंडप तुईबोंग रिलीफ कैंप जाएंगे। शाम 4.30 बजे मोईरांग में फुबाला कैंप में पहुंचेंगे। इसके बाद शाम 6 बजे राजभवन में गवर्नर से मुलाकात करेंगे। पूरे दिन के घटनाक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शाम 6.40 बजे मीडिया से बात करेंगे।

मणिपुर हिंसा के कारण 67 हजार लोग विस्थापित हुएः मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। स्ञ्ज वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50त्न है। राज्य के करीब 10त्न इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90त्न इलाके में रहते हैं।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह की पत्नी साधना पहुंची मानौरा, भगवान जगन्नाथ के किए दर्शन

विदिशा। ओडिशा का जगन्नाथपुरी चार धाम में से एक है. यहां आषाढ़ में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकालने की परंपरा है. इस रथ में भगवान जगदीश बलभद्र और देवी सुभद्रा सवार होकर नगर भ्रमण में निकलते हैं. विदिशा के ग्यारसपुर तहसील के मानौरा गांव का संबंध जगन्नाथपुरी रथ यात्रा से है. जिस समय जगन्नाथ का रथ रुक जाता है, तभी ग्यारसपुर के मानौरा में उत्सव शुरू हो जाता है, क्योंकि जगन्नाथ से कुछ देर के लिए भगवान मानौरा आते हैं. यह नजारा देखने के लिए यहां लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं.

मानौरा में 200 सालों से निकाली जाती है रथ यात्रा- ग्यारसपुर के मानौरा में यह परंपरा 200 सालों से चली आ रही है. यहां पर भगवान जगदीश स्वामी का प्राचीन मंदिर है. जिसमें जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के श्रीविग्रह विराजमान हैं. यहां सुबह से भक्तों के आने का सिलसिला जारी है. मानौरा में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहन की पत्नी साधना सिंह ने भी भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए. वहीं भक्त कतार में लगकर भगवान के दर्शन कर रहे हैं.

इसलिए यहां आते हैं भगवान- यह मंदिर भगवान के भक्त और मानौरा के तरफदार मानिकचंद और देवी पद्मावती की आस्था का प्रतीक है. दंपति भगवान के दर्शन की आकांक्षा में दंडवत करते हुए जगन्नाथपुरी चल पड़े थे. दुर्गम रास्तों के कारण दोनों के शरीर लहुलुहान हो गए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. इस पर भगवान स्वयं प्रकट हुए और उनको मानौरा में ही हर वर्ष दर्शन देने आने का वचन दिया. अपने भक्त को दिए इसी वचन को निभाने हर वर्ष भगवान आषाढ़ी दूज को रथ यात्रा के दिन मानौरा पधारते हैं और रथ में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकलते हैं.

भगवान मानोरा पधार गए- मंदिर के मुख्य पुजारी भगवती दास बताते हैं कि रथ यात्रा की पूर्व संध्या को आरती भोग लगाने के बाद जब रात्रि को भगवान को शयन कराते हैं तो उनके पट पूरी तरह से बंद किए जाते हैं, लेकिन सुबह अपने आप थोड़ा-सा पट खुला मिलता है. जब रथ पर भगवान को सवार कराया जाता है तो अपने आप उसमें कंपन होता है. वह खुद ही लुढ़कने लगता है. यही प्रतीक है कि भगवान मानोरा आ गए हैं. मुख्य पुजारी के मुताबिक ओडिशा की पुरी में भी पंडा रथयात्रा के दौरान जब वहां भगवान का रथ ठिठककर रुकता है तो घोषणा करते हैं कि भगवान मानोरा पधार गए हैं.

भगवान को मीठे भात पसंद है- रथयात्रा के दिन भगवान जगदीश को पूरी पवित्रता के साथ बनाए गए मीठे भात का भोग अर्पित किया जाता है. कई श्रद्धालु अपनी मन्नत पूरी होने पर भी भगवान को ये भोग अर्पित करते हैं. इस भोग को अटका कहा जाता है. यह मिट्टी की हंडियों में मुख्य पुजारी द्वारा ही तैयार किया जाता है. जिसे भगवान को अर्पित करने के बाद भक्तों में बांटा जाता है. इसी लिए कहा जाता है कि जगन्नाथ का भात जगत पसारे हाथ.

तीसरी बार ली हेमंत सोरेन ने सीएम पद की शपथ

रांची। झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभालने वाले हेमंत सोरेन आठ जुलाई को विधानसभा में विश्वास मत हासिल करेंगे। बहुमत साबित करने के बाद सोमवार को ही सोरेन अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। उन्होंने 4 जुलाई को तीसरी बार बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली थी।

शपथ लेने के पांच महीने बाद ही चंपई सोरेन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। चंपई सोरेन ने इस वर्ष 2 फरवरी को झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। हेमंत सोरेन को कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद करीब पांच महीने बाद 28 जून को बिरसा मुंडा जेल से रिहा किया गया था। 31 जनवरी को गिरफ्तारी से पहले उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें जनवरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित आरोपों में गिरफ्तार किया था। 2019 में, झामुमो ने कांग्रेस और लालू प्रसाद की राष्ट्रीय

मुंबई में भारी बारिशः रद्द हुई ट्रेनें, स्कूलों में छुट्टी

मुंबई। भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई और उसके उपनगरों में रात भर भारी बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक जलभराव हुआ, बेस्ट की बसों का मार्ग परिवर्तित किया गया और सोमवार, 8 जुलाई को कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं। उपनगरीय ट्रेन सेवाएं, विशेष रूप से मध्य रेलवे की ट्रेनें धीमी गति से चल रही थीं। दोनों शहरों के बीच चलने वाली प्रमुख ट्रेनों में से एक पुणे-मुंबई डेक्कन क्वीन को भी भारी बारिश के कारण दिन भर के लिए रद्द कर दिया गया।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कहा कि मुंबई में सोमवार को सुबह 1 बजे से सुबह 7 बजे तक छह घंटों में विभिन्न स्थानों पर 300 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। कुछ निचले इलाकों में भारी बारिश के कारण जलभराव हुआ और उपनगरीय ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं।

छात्रों को असुविधा से बचाने के लिए, मुंबई में सभी बीएमसी, सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में पहले सत्र के लिए अवकाश घोषित किया जाता है। बीएमसी ने कहा कि स्थिति की समीक्षा के बाद अगले सत्र के लिए निर्णय की घोषणा की जाएगी।

वहीं मुंबई महानगर पालिका द्वारा छात्रों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए, मुंबई (बीएमसी क्षेत्र) के सभी बीएमसी, सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में पहले सत्र के लिए अवकाश घोषित किया गया है। साथ ही स्थिति की समीक्षा के बाद अगले सत्र के लिए निर्णय की बात कही।

भोपाल के बड़ा तालाब में बढ़ा पानी, आज तेज बारिश का अलर्ट

भोपाल के बड़ा तालाब में पानी बढ़कर 1658.80 फीट तक पहुंच गया है। कोलांस नदी में पानी आने से जलस्तर बढ़ा है। कैचमेंट एरिया एवं सीहोर जिले में अच्छी बारिश होने से बड़ा तालाब में पानी बढ़ रहा है। सोमवार सुबह भी कैचमेंट एरिया में बारिश हुई। इधर, शहर में सुबह से ही कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने बाबा महाकाल के दर्शन व पूजा- अर्चना की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज श्री महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन में बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश एवं प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगल कामना की। मंदिर में श्री आशीष पुजारी, श्री विजय गुरु,श्री राजेश गुरु और श्री महेश पुजारी ने विधिवत पूजा संपन्न कराई।

विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा, श्री विवेक जोशी, श्री ओम जैन आदि जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने की भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने रविवार सुबह उज्जैन के जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगलकामनाएं की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परंपरा अनुसार पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर चहुँओर बड़ा ही हर्ष और आनंद का वातावरण हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, श्री विवेक जोशी, श्री सत्यनारायण खोईवाल, श्री संजय अग्रवाल और श्री रवि शंकर वर्मा आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्वालियर में ट्रेन की चपेट में आकर दो युवकों की मौत, लोग बोले- उतरते समय गिरे

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में ट्रेन की चपेट में आकर दो युवकों की मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है। ट्रेन झांसी की ओर से ग्वालियर आ रही थी। युवकों के शव झांसी रोड इलाके में तपोवन के सामने रेलवे ट्रैक के किनारे मिले। कुछ लोगों का कहना है कि दोनों युवक ट्रेन की स्पीड कम होने पर उतरने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

रतलाम के श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में छापा

रतलाम (नप्र)। रतलाम के डेलनपुर स्थित श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने रविवार दोपहर रेड की। स्कूल में बड़ी तादाद में किताबें और यूनिफॉर्म जब्त की गई हैं। किताबों में एक भी एनसीईआरटी की नहीं मिलीं। तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, डीईओ केसी शर्मा समेत अन्य अधिकारी जांच कर रहे हैं।

सिंधी मेला समिति द्वारा 10 एवं 11 अगस्त को कराया जाएगा कुकिंग कंपटीशन

संत हिरदाराम नगर

भोपाल की सिंधी मेला समिति द्वारा कुकिंग कॉम्पीटिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की जानकारी दक्षिण पच्छिम से भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी के टीटी नगर स्थित आवास पर एक बैठक के दौरान दी गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया की वर्ष 2009 से लगातार कुकिंग कॉम्पीटिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी यह कॉम्पीटिशन पूर्णतः सिंधी व्यंजनों पर आधारित रहेगा। समिति के संरक्षक सबनानी ने बताया की इस प्रकार के विभिन्न आयोजन हम लगातार करवाते आ रहे हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज की संस्कृति एवं संस्कार को न भूलना है और न भूलने देना है। सबनानी बताया की हम लगातार युवाओं को इस प्रकार के आयोजनों के जरिये अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते आ रहे है।

नरेश तलरेजा ने बताया की इस वर्ष कुकिंग कॉम्पीटिशन के लिये भोपाल में विभिन्न स्थानों पर सेंटर बनाये जा रहे हैं कोटरा, टीटी नगर, संत कवांराम कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी, बावड़िया कलां, चुनाभाट्टी, शाहपुरा, प्रभुनगर ईदगाह हिल्स, सोनागिरी, टीला जमालपुरा, पंचवटी कॉलोनी, विजय नगर, गांधीनगर, संत हिरदाराम नगर आदि में बनाए जा रहे हैं। इन नों के अलावा आयोजन भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न स्थानों पर एक साथ होगा। स आयोजन में भाग लेने वाले पार्टिसिपेंट्स को व्यंजन के स्वाद एवं स्टॉल की सज सजावट के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

नारी शक्ति का परिवार, समाज और देश को महत्वपूर्ण योगदान-कुमुद

जोन स्तरीय विशाल निरंकारी महिला संत समागम में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

संत हिरदाराम नगर

सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से? निरंकारी मिशन के जोन भोपाल 24 ए की ब्रांच में ज्ञान प्रचारक प्रयागराज से कुमुद की उपस्थिति में विशाल निरंकारी महिला संत समागम संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे भोपाल जोन से हजारों की संख्या में महिला श्रद्धालु संत समागम में पहुंची और इसका भरपूर आनंद प्राप्त किया।

समागम में कुमुद ने कहा कि जहां समाज और देश को नारी शक्ति ने एक मां के रूप में, एक बहन के रूप में, एक पत्नी के रूप में परिवारों को संभाला है और समाज के अनेकों अनेक क्षेत्रों में नारी शक्ति ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं राष्ट्र और देश की विभिन्न रूपों में भी विभिन्न नारियों ने सेवा की है ठीक इसी प्रकार निरंकारी मिशन भी मातृशक्ति को हमेशा आगे करता आया है, निरंकारी मिशन में जगत माता बुद्धवंती, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर, माता सविंदर और वर्तमान में माता सुदीक्षा भी निरंकारी मिशन की शिक्षाओं को और पूरी मानवता को एकसूत्र में बांधते हुए समाज और देश की सेवा कर रही हैं। प्रचारक कुमुद ने कहा कि सभी एक ही ईश्वर की संतान है। चाहे कोई किसी भी धर्म जाति का हो सभी से प्रेम करना चाहिए। ईश्वर की कोई जाति नही और आत्मा की भी कोई जाति नही होती है। महिला संत समागम में भोपाल जोन की भोपाल, बैरागढ़, गांधीनगर, सीहोर, कायमपुर, सुल्तानपुर, इटारसी, मंडीदीप, गांधीनगर, गुना, विजयपुर, गनियारी, ब्यावरा, नजीराबाद सहित सभी ब्रांचों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने सुंदर भक्ति गीतों व सारगर्भित आध्यात्मिक विचारों के माध्यम से सतगुरु माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

भोपाल गोल्फ लीग का उद्घाटन: बारिश और प्रतिद्वंद्विता के बीच टी बर्ड्स की जीत

संत हिरदाराम नगर

भोपाल गोल्फ लीग का उद्घाटन सत्र शानदार तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों पर अपनी छाप छोड़ी। लीग में 48 गोल्फरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें न केवल खेल की उत्कृष्टता का प्रदर्शन हुआ, बल्कि खराब मौसम के बावजूद भाईचारे और लचीलेपन की भावना भी देखने को मिली।

सुदर्शन चक्र कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने गोल्फ लीग के आयोजन का विचार रखा, ताकि विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले भोपाल के गोल्फरों के बीच सौहार्द और भाईचारे की पृष्ठभूमि में गोल्फरों के कौशल, विशेषज्ञता और क्षमताओं का परीक्षण किया जा सके। यह कार्यक्रम चार कप्तानों के नामांकन के साथ शुरू हुई, जिनमें से प्रत्येक को कैप्टन पिक के रूप में जाने वाले खिलाड़ियों के पूल से अपने शुरुआती चयन का काम सौंपा गया, इस चयन प्रक्रिया ने 4 जुलाई की शाम को रक्षा सेवा अधिकारी संस्थान (डीएसओआई) में आयोजित एक रोमांचक नीलामी के लिए मंच तैयार किया। प्रत्येक टीम ने सदस्यों का चयन किया। 6 जुलाई की सुबह, रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच, सभी चार टीमें गोल्फ के एक दौर में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एकत्रित हुईं। चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद, जिसने खेल में जटिलता की एक अतिरिक्त परत जोड़ दी, सभी खिलाड़ियों ने दृढ़ संकल्प और खेल भावना के साथ अपने दौर पूरे किए। हरे-भरे फेयरवे और कोर्स के उतार-चढ़ाव वाले ग्रीन्स ने कौशल और रणनीति के प्रदर्शन के लिए एक उपयुक्त पृष्ठभूमि प्रदान की। दिन के खेल से विजयी होकर उभर एफ अली के कुशल नेतृत्व में 'टी बर्ड्स' ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया।

मोदी अभियान को आगे बढ़ाया, सिंधी कॉलोनी पंचायत ने किया पौधरोपण

संत हिरदाराम नगर

सिंधी कॉलोनी पंचायत की मातृ शक्ति द्वारा एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश भर में 5 जुलाई से 15 जुलाई के बीच पौधरोपण का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सहभागिता लेते हुए सिंधी कॉलोनी पंचायत ने 51 पौधों का रोपण किया। पंचायत के अध्यक्ष कमलेश गंगवानी ने बताया कि देश में बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जो अभियान चलाया गया है, उसमें हम भी योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही पंचायत के महासचिव जगदीश बदलनी ने बताया कि लगाये गये 51 पौधों का हमने अपनी-अपनी माताओं के नाम पर नामकरण भी किया है। जिससे भविष्य में उपरोक्त व्यक्ति उस पौधे की जिम्मेदारी लेकर देख रेख करने में सक्रिय भूमिका निभा सके।

बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ करने हुए अधोसंरचना निर्माण के उल्लेखनीय कार्य

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिये अधोसंरचना निर्माण के उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं। ट्रांसमिशन व्यवस्था मजबूत करने के लिये वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14 अति उच्चदाब उप केन्द्रों की स्थापना की गई है। साथ ही 26 अति उच्चदाब पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किये गये हैं। कुल 818.170 सर्किट किलोमीटर अति उच्चदाब लाइन का निर्माण भी किया गया है।

मंत्री श्री तोमर ने बताया कि 25 अतिरिक्त अति उच्चदाब पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना एवं 40 अति उच्चदाब पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कर अति उच्चदाब उप केन्द्रों की क्षमता में 4630 एमव्हीए की वृद्धि की गई है। वितरण क्षेत्र में अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक की अवधि में 56 नये 33 केव्ही उप केन्द्र स्थापित किये गये हैं। मार्च 2023 की स्थिति में 10 लाख 28 हजार 876 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित थे। वर्ष 2023-24 में 9 हजार 978 अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किये गये। इस प्रकार मार्च 2024 की स्थिति में 10 लाख 38 हजार 854 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित हैं।

किसानों को शीघ्र स्थायी सिंचाई पंप कनेक्शन दिये जाने के उद्देश्य से स्वयं का ट्रांसफार्मर लगाये जाने की योजना लागू की गई है। योजना में किसान स्वयं अथवा समूह में निर्धारित मापदंड के अनुसार ट्रांसफार्मर स्थापित कर सकते हैं। योजना में वर्ष 2023-24 में एक लाख 30 हजार 303 ट्रांसफार्मर स्थापित किये जा चुके हैं।

रथ पर निकले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा

उज्जैन, इंदौर, भोपाल समेत प्रदेशभर में उत्सव ; भक्तों ने खींचा रथ

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में भी आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को कई जगहों पर जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा में कुल तीन रथ शामिल हैं, जिनमें से एक में प्रभु जगन्नाथ, दूसरे में उनके भाई बलभद्र और तीसरे में उनकी बहन सुभद्रा विराजमान हैं।

मिनी जगन्नाथपुरी के नाम से प्रसिद्ध विदिशा के मानोरा गांव में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा तड़के से शुरू हो गई थी। मानोरा में इस धार्मिक यात्रा का आयोजन तीन दिन तक किया जाता है। इस वर्ष यह शनिवार से शुरू हो गया है। सोमवार तक चलेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी साधना सिंह ने दोपहर करीब साढ़े 12 बजे भगवान जगदीश स्वामी के मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उज्जैन, भोपाल, हरदा और देवास समेत प्रदेश के कई शहरों में रथ यात्रा उत्सव मनाया जा रहा है।

भोपाल में जयघोष के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की यात्रा

रानी कमलापति स्टेशन से भगवान जगन्नाथ की यात्रा शुरू हो गई है। हजारों भक्त भजन करते हुए नाचते-गाते यात्रा के साथ चल रहे हैं। भक्तों में रथ खींचने की होड़ लगी है। जगह-जगह पुष्पवर्षा से यात्रा का स्वागत हो रहा है। इस्कॉन भेल भोपाल के अध्यक्ष रसानंद दास ने बताया कि रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा महारानी का नेत्रों उत्सव कराया गया। रथ यात्रा के पहले भगवान जगन्नाथ को पांच सौ से ज्यादा भोग अर्पित किए गए।

रास्ते भर बंटा महाप्रसाद

यात्रा में रास्ते भर विभिन्न प्रकार के फलों का वितरण होगा। सामाजिक सहयोग से पूरे समय 5 हजार केले व अन्य फल वितरित किया। ऐसे अलावा 200 किलो मीठी बूंदी का प्रसाद भी भक्तों को बांटा जाएगा। वहीं, रथयात्रा के लिए वृंदावन, सीहोर, गंजबासौदा, उज्जैन, इंदौर, रतलाम, हरदा, भोपाल की कीर्तन पार्टी आएंगी जो रास्तेभर में कीर्तन करते हुए चल रही थे। वहीं, भगवान जगन्नाथ खाने के लिए प्रसिद्ध हैं, इसलिए भगवान को 501 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया। यह भोग गृहस्थ भक्त घर से बनाकर लाएंगे। इसके अलावा कोई भी भगवान को भोग अर्पित कर सकता है।

भोपाल में आगाज-3 हेरिटेज कार रैली

बेगम्स ऑफ भोपाल के लुक में पहुंचीं पार्टिसिपेंट, बोलीं- आम की गुठलियां लेकर चलते हैं साथ

भोपाल (नप्र)। बेगम्स ऑफ भोपाल और राग भोपाली की ओर से आगाज-3 हेरिटेज कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। रैली की शुरुआत 10 नंबर स्थित राग भोपाली से सुबह 9:30 बजे हुई, जो गोलघर से होते हुए लेक व्यू के ड्राइव-इन सिनेमा पर खत्म हुई। इस कार रैली में महिलाएं शहर की हेरिटेज साइट्स और मॉन्यूमेंट्स तक जाएंगी और यहां की विरासत के बारे में समझेंगी।

क्या बोलीं पार्टिसिपेंट- ज्योति रात्रि ने बताया कि वह इलेक्ट्रिक व्हीकल लेकर आई हैं। कार्बन फुटप्रिंट थीम पर कार सजाई है। मैं संदेश देना चाहती हूं कि जितना हो सके हमें कार्बन को कम करना है। मैंने डीजल गाड़ी से ई व्हीकल कन्वर्ट किया है। जिस चीज से मैंने यह डिजाइन की है। यह भी कपड़े पर है। बाद में इस कपड़े के मैं कैरी बैग बना लूंगी।

मॉडर्न और ट्रेडिशनल स्टाइल के फ्यूजन कांबिनेशन वाली ड्रेस में पहुंची मधु मेहता ने बताया कि उन्होंने अपनी कार को पर्यावरण के कई संदेश देकर सजाया। हमने सेफ ड्राइविंग का भी संदेश दिया है। लोग सेफ ड्राइव करें सीट बेल्ट लगाकर कर चलाएं ताकि सुरक्षा बनी रहे।एक अन्य प्रतिभागी अनीता ने बताया कि वह अपनी गाड़ी के साथ कुछ आम की गुठलियां लेकर चलती हैं। जहां भी मौका मिलता है वह इन गुठलियों या सीड्स को डाल देती हैं। इस तकनीक से भी पौधे लगाए जा सकते हैं। हमने अपनी गाड़ी को भी पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। उन्होंने बताया कि वह जो ड्रेस पहन कर आई है यह एक तरह का भोपाल की बेगम का ड्रेस है।

कुपोषण मुक्त करने की पहल

मेरी आंगनवाड़ी लाल और पीले सूरजमुखी से मुक्त है

भोपाल। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले में इन दिनों अलग-अलग लाल, हरे, पीले रंग के सूरजमुखी के फूल दिखाई दे रहे हैं। आप सोच रहे होंगे कि यहाँ सूरजमुखी फूल की कोई हाइब्रीड वेराइटी की बात हो रही है। पर यहां बात बिल्कुल अलग है। दरअसल डिंडोरी जिले को कुपोषण से मुक्त करने की एक नई पहल शुरू की गई है।

सूरज की तरफ मुँह कर हमेशा ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश देता सूरजमुखी का फूल जिले की आंगनवाड़ियों, वहाँ के घरों की दीवारों पर अलग-अलग रंगों में दिखाई देती है। यह आम लोगों के कौतुहल का विषय बना हुआ है। साथ ही लोगों को अपने घर पर हरे रंग के सूरजमुखी की चाह भी बढ़ गई है। यही नहीं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर भी कार्यकर्ता के बीच होड़ लगी है कि उनके आंगनवाड़ी केन्द्र में ÷मेरी आंगनवाड़ी लाल एवं पीले सूरजमुखी से मुक्त है÷ लिखा जाए। आंगनवाड़ी केन्द्र की इस पहल से परिचित होने और इन फूलों का मतलब जानने की जिज्ञासा भी आमजन में पनपी है।

आइए समझते हैं इस पहल को। तीन रंगों के सूरजमुखी के फूल जिसमें लाल रंग अति कुपोषित बच्चा, पीला रंग मध्यम कुपोषित तथा हरे सूरजमुखी से तात्पर्य है कि आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज बच्चों में से कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं है या यह कहें कि दर्ज सभी बच्चे स्वस्थ एवं सुरक्षित हैं। कुपो?षण मुक्त शब्द देखते ही आंगनवाड़ी में जाकर आमजन पोषण और कुपोषण के बारे में जानकारी ले रहे हैं। नई पहल गाँव, कस्बे के लोगों को आंगनवाड़ी केन्द्र की ओर आकर्षित कर रही है, जो लोग आंगनवाड़ी केन्द्र जाने से कतराते थे, आज उत्सुकतावश केन्द्र आकर जानकारी ले रहे हैं।

डिंडोरी में यह नवाचार रेवा प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अति गंभीर कुपोषित तथा मध्यम कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन तथा चिन्हित बच्चों का ग्रेड परिवर्तन करते हुए सामान्य जीवन स्तर में लाना है। इसके अतिरिक्त किशोरी बालिकाओं को उनके हार्मोनल विकास के अनुकूल वातावरण प्रदान कर आत्मविश्वास, उत्साह में वृद्धि करना है। साथ ही गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य एवं टीकाकरण के लिए जागरूक करना है, जिससे जन्म लेने वाला बच्चा स्वस्थ हो। इसके अतिरिक्त धात्री माताओं को बच्चों एवं स्वयं के पोषण तथा स्वास्थ्य व स्तनपान के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान में रेवा प्रोजेक्ट संचालकों द्वारा स्वास्थ्य कैंप, अधिकारियों द्वारा कुपोषित बच्चों के घर भेंट, सेम बच्चों का चिन्हांकन, आंगनवाड़ी केन्द्रों में नव-दंपत्ति मिलन सम्मेलन, सास-बहू सम्मेलन, एनीमिया केम्प, सिकलसेल कैम्प, नशामुक्ति आदि गतिविधियाँ आयोजित की जाती है।

एमपी ट्रांसको का पौध-रोपण अभियान

बालाघाट जिले के सब स्टेशनों और रहवासी कालोनियों में हुआ पौध-रोपण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार ऊर्जा विभाग की बिजली कंपनियों में पर्यावरण को सुरक्षित और स्वच्छ रखने के उद्देश्य से पौध-रोपण अभियान के तहत बालाघाट जिले सहित मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के विभिन्न सब स्टेशनों और रहवासी कालोनियों में वृहद पौध-रोपण किया। एमपी ट्रांसको के विभिन्न सब स्टेशनों में 2000 पौधों के रोपण लक्ष्य के मुकाबले 3261 पौधों का रोपण किया गया। बालाघाट जिले के मुख्यालय स्थित 132 के व्ही सबस्टेशन, जिले का एकमात्र 400 के व्ही सबस्टेशन किरणापुर, 132 के व्ही सबस्टेशन लांजी, 132 के व्ही सबस्टेशन बैहर, 132 के व्ही सबस्टेशन वारासिवनी, 132 के व्ही सबस्टेशन भानेगांव, 132 के व्ही सबस्टेशन लालबर्रा में अधीक्षण अभियंता श्री निजाम सिंह लोधी के मार्गदर्शन में पौधा-रोपण किया गया। पौध-रोपण को लेकर एम पी ट्रांसको के कार्मिकों के अलावा उनके परिजनों में भी गज़ब का उत्साह रहा। इन्होंने एम पी ट्रांसको की रहवासी कालोनियों में बढ़ चढ़कर पौध-रोपण किया। इन पौधों में आक्सीजन उत्सर्जित करने वाले पौधों

के अलावा फलदार और छायादार पौधों की विभिन्न प्रजाति शामिल हैं। पौध-रोपण करने वाले कार्मिकों और परिजनों ने शपथ लेकर स्वेच्छा से इन पौधों की देख-रेख का जिम्मा भी लिया । मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में राजधानी भोपाल, मुख्यालय जबलपुर सहित प्रदेश के 42 ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस कार्यालयों, 416 अति उच्च दाब सब स्टेशनों सहित एम पी ट्रांसको के सभी कार्यालयों के प्रांगणों तथा रहवासी कालोनियों में पौध-रोपण का अभियान चलाया जा रहा है। इसमें आउटसोर्स कर्मी सहित प्रत्येक कार्मिक एवं उनके परिजन द्वारा पौध-रोपण किया जा रहा है।

भोपाल में बीपीईडी छात्रा से छेड़छाड़

सहपाठी ने दिया वारदात को अंजाम, आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देता था

भोपाल (नप्र)। भोपाल में रहकर बेचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीईडी) की छात्रा के साथ उसके सहपाठी युवक ने अश्लील हरकत की। आरोपी ने उसके साथ मॉर्फ वीडियो और फोटो भी तैयार कर लिए। इन फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने पीड़िता पर अड़ीबाजी की।

उससे पचास हजार रुपए की मांग की। आए दिन की हरकतों से तंग फरियादिया ने इस मामले की शिकायत जहांगीराबाद थाने में कर दी। जांच के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी युवक की गिरफ्तारी कर ली गई है।

जहांगीराबाद थाने के टीआई संजय सिंह सोनी ने बताया कि 22 वर्षीय पीड़िता मूल रूप से कटनी की रहने वाली है। फिलहाल वह जहांगीराबाद इलाके में स्थित हॉस्टल में रहती है। बीपीईडी फाइनल ईयर की छात्रा है। उसी के साथ आरोपी जीतेंद्र कुमार पराशर भी पढ़ता है, दोनों ट्रेनिंग के लिए पिछले साथ आगरा गए थे। वहां दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई।

दोनों साथ घूमने फिरने भी लगे, वहां से लौटने के बाद आरोपी ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत की। इसका आरोपी ने गोपनीय तरीके से फोटो ले लिया। पिछले कुछ समय से आरोपी लड़की पर जबरन संबंध बनाने के दबाव डालने लगा। बात नहीं मानने पर उसके पर्सनल फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देने लगा।

बात करने के नाम पर बुलाया और धमकाने लगा

शनिवार को आारोपी ने पीड़िता को बात करने के बहाने इंडियन कॉफी हाउस पुलिस मुख्यालय के करीब बुलाया। यहां उसने लड़की से अश्लील बातें की। पीड़िता ने विरोध किया तो मॉर्फ वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे धमकाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने पीड़िता के आगे शर्त रखी कि उससे पीछा छुड़ाना है तो पचास हजार रुपए देने होगों, इससे परेशान होकर लड़की थाने पहुंची और केस दर्ज करा दिया।

साइबर जालसाजों ने भोपाल की महिला क्लर्क को चपत लगाई

लिंक भेजकर खाते से उड़ाए 40 हजार रुपए, एफआईआर

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में साइबर जालसाजों ने एक महिला क्लर्क को 40 हजार रुपए की चपत लगा दी। आरोपियों ने महिला के मोबाइल पर लिंक भेजा था। जिस पर क्लिक करते ही उसके खाते से हजारों रुपए कट गए। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

एमपी नगर पुलिस के मुताबिक कोलार में रहने वाली प्रसामा चौरसिया जिला अदालत में लिपित के पद पदस्थ हैं। 2023 को ड्यूटी के दौरान उनके मोबाइल पर बिग बॉस्केट नाम से लिंक आया था, जिसमें कई तरह के ऑफर दिखाए गए थे। लिंक को खोलते ही उनके खाते से तीन अलग-अलग किस्तों में करीब 40 हजार रुपए उनके बैंक खाते से गायब हो गए।

इस मामले की शिकायत महिला ने साइबर सेल में की थी। जहां से क्राइम ब्रांच ने जीरो पर केस दर्ज कर डायरी एमपी नगर थाना पुलिस को भेज दी। पुलिस का कहना है कि अब आरोपियों को पकड़ने के लिए साइबर सेल की मद्द ली जा रही है। तकनीकी जांच के सहारे आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

पक्का हो घर अपना... अब नहीं रहा ये सपना

प्रधानमंत्री जन-मन आवास योजना से पक्का घर पाकर खुजरो बाई की खुशी का ठिकाना नहीं

भोपाल। खुद के पक्के घर में निश्चिंत होकर कौन नहीं रहना चाहता। यह सभी का एक बड़ा सपना होता है, जिसे पूरा करने के लिये हर व्यक्ति जी जान से मेहनत करता है। खुजरो बाई भी पक्के घर का सपना दिल में लिये जी रहीं थीं।

मण्डला जिले की ग्राम पंचायत जंतीपुर की खुजरो बाई बैगा की किस्मत रंग लाई और अब उसे प्रधानमंत्री जन-मन आवास योजना से खुद का पक्का घर मिल गया है। पक्का घर पाकर वे बेहद प्रसन्न हैं। इस योजना ने पक्के घर में रहने का उनका बरसों पुराना सपना साकार कर दिया है।

खुजरो बाई बताती है कि वे बेहद गरीब परिवार से हैं और सालों से कच्चे मकान में रहती थीं। कच्चे मकान में रहने पर बारिश में उसे बड़ी परेशानी होती थी। बारिश की वजह से उसका घर-गृहस्थी का सामान भीगकर खराब हो जाता था। हर साल बारिश से पहले घर की मरम्मत में बहुत पैसा खर्च हो जाता था। वह मजदूरी करके अपना भरण-पोषण करती थीं। गरीबी के कारण वह अपना पक्का मकान नही बना पा रही थी।

इसी दौर में ग्राम पंचायत जंतीपुर द्वारा उसे बताया गया कि 2023-24 में उसका नाम प्रधानमंत्री जन-मन योजना की आवास चयन सूची में आ गया है। योजना के तहत उसे तीन किश्तों में काम के आधार पर धनराशि सीधे उसके बैंक खाते में दी गई और उसे कुशल मजदूरी का भुगतान भी किया गया।

खुजरो बाई ने बताया कि प्रधानमंत्री जन-मन योजना से उसका पक्का घर बन गया है और अब वह इसमें रहने भी लगी हैं। वे यह भी बताती है कि उन्हें सरकार की प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, विद्युत कनेक्शन, पक्का शौचालय, नल कनेक्शन एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि का लाभ भी मिल रहा है।

सरकार की इन सभी योजनाओं का लाभ पाकर खुजरो बाई के दिन अब बदल गये हैं। वे प्रधानमंत्री जन-मन योजना से उसे पक्का घर देने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार जताती हैं।

एक वर्षीय सेवा कालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिये आवेदन 15 जुलाई तक

राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस संबंध में लिखा पत्र

भोपाल। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग में एक वर्षीय सेवा कालीन प्रशिक्षण (अग्रेंजी भाषा) प्रारंभ किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण राज्य शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत संचालित आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (इंग्लिश लैंगवेज टीचिंग इन्स्टीट्यूट) में दिया जाएगा। यह पाठ्यक्रम बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों से प्रशिक्षण के लिये आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवेदन 15 जुलाई 2024 तक जमा कराये जा सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को पत्र लिखकर प्रत्येक जिले से कम से कम 2 पात्र आवेदकों के आवेदन ह्म्द्म.द्बश्चशठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग.द्ब1.द्बठ्ठ के माध्यम से भेजने के निर्देश दिये गये हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम वर्ष 2024-25 के लिये आयोजित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में प्रदेश के प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व हो, यह सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। यह प्रशिक्षण अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों में कौशल विकास किया जाता है।

सुरक्षित भविष्य के लिए पौध-रोपण ज़रूरी: राज्यपाल पटेल

राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान में किया पौध-रोपण

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सुरक्षित भविष्य के लिए पौध-रोपण ज़रूरी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान में पौधे ज़रूर लगाए। राज्यपाल श्री पटेल ने स्वयं अभियान के तहत राजभवन परिसर में अधिकारी-कर्मचारियों के साथ पौध-रोपण किया। उन्होंने क्रिसमस ट्री का पौधा रोपा।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, विधि अधिकारी श्री उमेश श्रीवास्तव और राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रावधानित और प्रगतिरत् निर्माण कार्यों की समीक्षा

समय-सीमा में गुणवत्ता से निर्माण कार्यों को पूर्ण करें: उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग वित्तीय वर्ष 2024-25 के वित्तीय प्रावधान अनुसार और प्रगतिरत निर्माण कार्यों की कार्य योजना की वृहद् समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य संस्थानों, नर्सिंग कॉलेज एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के नवीन निर्माण कार्यों के साथ उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न चरणों की भी समीक्षा की। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि समस्त गतिविधियों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि औपचारिकताओं की कमी से कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए।

3 हज़ार 555 निर्माण कार्य प्रावधानित और प्रगतिर- उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने केंद्र से समन्वय वाले आवश्यक विषयों को रेखांकित करने के लिए कहा ताकि केंद्र स्तर से चर्चा कर उनका शीघ्र निराकरण किया जा सके। वर्तमान में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग अन्तर्गत 3 हज़ार 555 निर्माण कार्य प्रावधानित और प्रगतिरत हैं। इनमें स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 2 हज़ार 782, म.प्र. भवन विकास निगम द्वारा 72, लोक निर्माण विभाग द्वारा 17, म.प्र. हाउसिंग बोर्ड द्वारा 263, पीआईयू द्वारा 385, म.प्र. पुलिस हाउसिंग द्वारा 34, ब्रिज एंड रूफ द्वारा 2 निर्माण कार्य किये जा रहे हैं।

समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करें- उप-मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में पदों की भर्ती प्रक्रिया की प्रगति समीक्षा की और समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विवेक कुमार पोरवाल, एम.डी. एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण पिथोड़े, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री पंकज जैन सहित निर्माण विभाग के प्रतिनिधि और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भिंड में दो मकान गिरे, बच्ची समेत पांच घायल

ग्वालियर में बारिश से सड़क धंसी, बड़वानी में धुंध; मुरैना में घरों में पानी भरा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर, भिंड, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में आज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। ग्वालियर में सुबह से बारिश जारी है। यहां निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। रामाजी का पुरा में शनिवार सुबह करीब 11 बजे सड़क धंस गई। यहां बारिश का पानी जमा था।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया, ग्वालियर-चंबल और प्रदेश के अन्य हिस्सों से दो ट्रफ लाइन गुजर रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इनकी वजह से प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। कई जिलों में 11 जुलाई तक भारी बारिश होगी।

मुरैना के जौरा में सड़कों पर पानी भरने से लोग परेशान- मुरैना के जौरा में बाजारों की सड़कें पानी से लबालब भरी गईं। लोगों का कहना है कि बारिश का पानी 5 बीघा क्षेत्र से बहकर आया है। गंदे पानी में से आना-जाना करना पड़ रहा है।

गोहद में विधायक और कलेक्टर ने किया निरीक्षण- भिंड के गोहद में विधायक केशव देसाई, कलेक्टर भिंड संजीव श्रीवास्तव और एसडीएम पराग जैन हालात जानने पहुंचे। यहां ग्रामीणों से बात कर क्षेत्र का जायजा लिया।

मुरैना के जौरा में पानी भरा- मुरैना के जौरा में रविवार सुबह हुई भारी बारिश से नाले उफान पर आ गए। यहां निचली बस्तियों में घुटनों तक पानी भर गया।

भिंड के गोहद में मकान गिरने से बच्ची समेत पांच घायल

भिंड के गोहद में कई कच्चे मकान गिर गए। ब्रह्मपुरी में दो कच्चे मकान गिर जाने से एक बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया है। भिंड के गोहद के हड़ियापुरा में कई कच्चे मकान गिर गए। यहां भरा हुआ पानी उतर रहा है। ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी ग्वालियर से बहकर यहां आ रहा है।

भिंड के गोहद में सड़क धंसी

भिंड के गोहद में शनिवार को हुई भारी बारिश से कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। यहां मुख्य मार्ग की सड़क धंस गई।

बालाघाट में सुबह से पानी गिर रहा

बालाघाट में सुबह से बारिश का दौर जारी है। जिले में पूरे सीजन में अब तक 8 इंच से ज्यादा बारिश हो गई है।

बड़वानी के सेंधवा में छाई धुंध

बड़वानी जिले के सेंधवा में बारिश से धुंध छा गई है। यहां रिमझिम बारिश के बीच मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे के बिजासन घाट पर सुबह से ही मौसम में सुहाना हो गया है।

ग्वालियर में सड़क धंसी

ग्वालियर के रामाजी का पुरा में शनिवार सुबह करीब 11 बजे सड़क धंस गई। यहां बारिश का पानी जमा हो गया था। सड़क का मलबा, नीचे की ओर बने मकान पर जा गिरा। हादसे के दौरान वहां कोई मौजूद नहीं था, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई है।

जन और जनजातीय संस्कृति के विकास में अव्वल मध्यप्रदेश

जनजातीय विरास्त के लिये लगभग 41 हजार करोड़ रूपये का बजट आवंटित

भोपाल। जनजातीय वर्ग के समग्र विकास के लिये राज्य सरकार बेहद संवेदनशील है। इस वर्ग के लिये सरकार की संवेदनशीलता इसी तथ्य से परिलक्षित होती है कि सालाना बजट 2024-25 में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति (उप योजना) के लिये 40 हजार 804 करोड़ रूपये बजट आवंटित किया गया है। यह बजट वर्ष 2023-24 से 3 हजार 856 करोड़ रूपये (करीब 23.4 प्रतिशत) अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनजातीय वर्ग के कल्याण और इन्हें समर्थ बनाने की संवेदनशील पहल पर ही इस वर्ष जनजातीय कार्य विभाग को पहले से अधिक धनराशि आवंटित की गई है। जनजातीय बंधुओं और इनकी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण और विकास के लिये सरकार द्वारा अनेक नवाचारी कदम उठाये जा रहे हैं। सरकार के प्रयासों से जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी, युवा, खिलाड़ी और कलाकार अब विकास की एक नई राह पर चल पड़े हैं।

जनजातीय वर्ग के बच्चों की शिक्षा-दीक्षा की ठोस चिंता करते हुए सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में सीएम राइज स्कूलों के निर्माण के लिये 667 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान नियत किया है। इस वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के प्रति प्रोत्साहित करने के लिये सरकार ने 11वीं, 12वीं एवं महाविद्यालयीन का छात्रवृत्ति के लिये 500 करोड़ रूपये प्रावधान किया हैं। सरकार की अत्यंत सराहनीय पहल आकांक्षा योजना में जनजातीय वर्ग के 10वीं पास विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश सरकार नीट, क्लैट एवं जेईई की निःशुल्क कोचिंग देने का कार्य कर रही है। निःशुल्क कोचिंग के साथ-साथ सरकार जनजातीय विद्यार्थियों को टैबलेट भी देगी। साथ ही डेटा प्लान भी सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के लिये सरकार ने बजट में 10 करोड़ 42 लाख रूपये आरक्षित कर दिये हैं।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) के तहत विशिष्टत-असुरक्षित जनजातीय समूहों (पीव्हीटीजी) के सर्वांगीण विकास के लिये मध्यप्रदेश सरकार प्रतिबद्धता पूर्वक प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश में तीन विशेष पिछड़ी जनजातियां बैगा, भारिया एवं सहरिया निवास करती हैं। पीएम जन-मन योजना के तहत इन विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में बहुउद्देश्यीय केन्द्र, ग्रामीण आवास, ग्रामीण सड़क, समग्र शिक्षा एवं विद्युतीकरण कार्य कराये जायेंगे। सरकार ने जारी वित्त वर्ष के बजट में इन कामों के लिये 1 हजार 607 करोड़ रूपये प्रावधानित किये हैं।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीव्हीटीजी) आहार अनुदान योजना के तहत इन जनजाति समूह बाहुल्य ग्रामों में जनजातीय परिवारों को 1 हजार 500 रूपये प्रति माह आहार अनुदान के रूप में सहायता राशि दी जाती है। इसके लिये सरकार ने बजट 2024-25 में 450 करोड़ रूपये आवंटित किये हैं। इस राशि से बैगा, भारिया एवं सहरिया जनजातीय परिवारों को निःशुल्क आहार अनुदान वितरित किया जाएगा। विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिये सरकार 2024-25 में 100 करोड़ रूपये अतिरिक्त व्यय करेगी। वहीं इसी योजना के अंतर्गत विशेष जनजातीय क्षेत्रों में 217 नये आंगनवाड़ी भवनों का भी निर्माण किया जा रहा है। इन नये आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण के लिये बजट 2024-25 में 150 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत का विस्तार अर्थात पेसा एक्ट में पेसा नियम, नवम्बर, 2022 से मध्यप्रदेश में लागू है। यह नियम, प्रदेश की कुल 5 हजार 210 ग्राम पंचायतों तथा 11 हजार 783 गावों में प्रभावशील है। सरकार के प्रयासों से इन नियमों के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों का उपयोग जनजातीय वर्ग के हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये अत्यंत प्रभावशाली साबित हो रहा है। इस पेसा एक्ट से जनजातीय वर्ग अपने क्षेत्र, अपनी परम्पराओं, अपनी संस्कृति और अपनी जरूरतों के मुताबिक फैसले लेकर विकास की राह में आगे बढ़ सकेंगे।

भोपाल के दो तस्करों से 13 किलो गांजा जब्त

आंध्र प्रदेश से कम दामों में लाते थे गांजा, फुटकर कारोबारियों को तीन गुने दाम में बेचते थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल की क्राइम ब्रांच ने ऐयरो सिटी रोड गांधी नगर से दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो लाख रुपए कीमत का 13.300 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया है। दोनों ने आंध्र प्रदेश से सड़क मार्ग के रास्ते गांजा भोपाल में लाने की बात स्वीकार की है।

दोनों आंध्र प्रदेश से लाए गांजे को फुटकर विक्रेताओं को तीन गुने दाम में बेचने का काम करते थे। ग्राहकों के इन्तजार में ऐयरो सिटी रोड पहुंचे और पुलिस हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम शेलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार की रात को ऐयरो सिटी रोड ब्रिज के नीचे गांधी नगर में दो युवकों की घेराबंदी की थी। दोनों को हिरासत में लेकर उनके पास मौजूद झोलों की तलाशी ली गई। जिसमें पॉलीथिन में रखे गांजे के पैकेट मिले। करीब 14 पैकेट में 13.300 किलोग्राम गांजा मिला है।

आरोपियों पर पूर्व में हैं अपराध दर्ज

आरोपियों की पहचान फैज मोहम्मद पिता जमील अहमद (21) निवासी म.न. 17 गली नंवर 21 आरिफ नगर गौतम नगर और संजना ठाकुर पत्नी गुज्जर पवार (20) निवासी ग्राम जमनी टोला तहसील सुहागपुर जिला नर्मदापुरम के रूप में की गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट सहित अन्य अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

सड़क के रास्ते गांजा ले आए आरोपी

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह सड़क मार्ग के रास्ते अलग-अलग बस में सवार होकर आंध्र प्रदेश से भोपाल तक पहुंचे थे। वहां से गांजा कम दामों में लाकर भोपाल के फुटकर तस्करों को ज्यादा दामों में खपाने वाले थे। पकड़े न जाए इसके लिए एकांत में डिलवेरी देने के लिए ग्राहकों को ऐयरो सिटी रोड बुलाया। हालांकि इससे पहले ही पकड़े गए।

सिल्वर स्क्रीनः सिनेमा में पानी कोई मुद्दा नहीं, जिस पर फिल्म बने !

हेमंत पाल

सिनेमा किसी भी मुद्दे को प्रभावी ढंग से लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम है। लोग इसे परदे पर देखकर उससे सीधे जुड़ते हैं और इसका सीधा असर उनके जहन पर पड़ता है। देखा जाए तो सामाजिक मुद्दों को लेकर बॉलीवुड शुरू से ही सजग रहा है। फिल्मों के शुरुआती काल से 80 के दशक तक सामाजिक मुद्दों पर कई गंभीर फिल्में बनी। राज कपूर, ख्वाजा अहमद अब्बास, रित्विक घटक और उसके बाद श्याम बेनेगल जैसे विख्यात फिल्मकारों ने अपनी कई फिल्मों का ताना-बाना सामाजिक मुद्दों से ही चुना ! मगर 80 के दशक के बाद ऐसे कई मुद्दे हाशिए पर चले गए। सामाजिक मुद्दों पर फिल्में बननी कम हो गई, यही कारण है कि पानी की किल्लत पर भी फ़िल्में नहीं बनी। आज जब देश के सामने पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है, कोई भी फिल्मकार इस विषय पर फिल्म बनाने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं ! शायद इसलिए कि इसे फ्लॉप आइडिया माना जाता है।

1971 में ख्वाजा अहमद अब्बास ने पानी से जुड़ी फिल्म 'दो बूंद पानी' बनाई थी। यह फिल्म राजस्थान में बन रहे गंगा सागर कनाल प्रोजेक्ट की पृष्ठभूमि में आधारित थी। इसमें अपना योगदान देने के लिए एक सूखाग्रस्त गांव से नायक जलाल आगा अपना परिवार छोड़कर आ जाता है कि यह प्रोजेक्ट राजस्थान के रेगिस्तान की तकदीर बदल देगा। कनाल प्रोजेक्ट तैयार हो जाता है, राजस्थान को पानी मिल जाता है, पर नायक को समाज के कारण अपना परिवार खोना पड़ता है। इस फिल्म को राष्ट्रीय अखंडता के लिए पुरस्कार भी मिला। लेकिन, 1971 के बाद से फिर पानी की समस्या पर कोई फिल्म नहीं बनी ! आमिर खान ने 2001 में 'लगान' जरूर बनाई ! लेकिन, ये बारिश की कमी से किसानों को होने वाली परेशानी और अंग्रेज सरकार द्वारा वसूले जाने वाले लगान पर आधारित थी। अपने सशक्त कथानक के कारण फिल्म हिट रही, पर इसमें जल संकट जैसा मुद्दा दब गया। 2013 और 2014 में पानी के मुद्दे पर 'कौन कितने पानी में' और 'जल' जरूर आई थी। 'जल' को कच्छ के रण में फिल्माया गया था। ये बक्का नाम के एक ऐसे युवक की कहानी थी, जिसके पास दैवीय शक्ति है। इसके दम पर वो रेगिस्तान में भी पानी खोज सकता है। इस फिल्म को विदेशी भाषा की ऑस्कर अवॉर्ड फिल्मों में भारत की तरफ से भेजा भी गया था। 2005 में दीपा मेहता ने 'वाटर' नाम फिल्म जरूर बनाई, पर इसका पानी वास्ता नहीं था। यह फिल्म 1938 में स्थापित वाराणसी में एक आश्रम में विधवाओं के जीवन पर बनी थी।

शेखर कपूर ने 2010 के कान्स फिल्म समारोह में 'पानी' बनाने का ऐलान किया था। 'पानी' की थीम काफी हटकर है। इसमें भविष्य के ऐसे दौर की कल्पना की गई है, जहां पानी पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का कब्जा है और आम लोग इसकी एक-एक बूंद के लिए संघर्ष कर रहे हैं। तब यह बात सामने आई थी कि 'स्लमडॉग मिलिनेयर' के निर्देशक डैनी बॉयल 'पानी' से बतौर निर्माता जुड़ेंगे। ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में होंगे और संगीत एआर रहमान देंगे। फिर 2013 में सुनने में आया कि यह फिल्म 'यशराज फिल्म्स' के बैनर पर बनेगी और सुशांत सिंह अहम किरदार में होंगे। इसके बाद ये आइडिया आता-जाता रहा, पर 'पानी' पर फिल्म नहीं बन सकी। 2013 में शेखर कपूर ने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया, जिसमें अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत लीड रोल में नजर आने वाले थे। पर, कुछ वजहों से ये प्रोजेक्ट बंद कर दिया गया। कहा जाता है कि इस प्रोजेक्ट के बंद होने से सुशांत बुरी तरह टूट से गए थे।

फिल्म का मूल भाव है कि जब कुआं सूख जाएगा, तब हम पानी की कीमत समझेंगे? इस फिल्म की कहानी 2040 के कालखंड जोड़कर बुनी गई है, जब मुंबई के एक क्षेत्र में पानी नहीं होता और दूसरे में पानी होता है। ऐसे में पानी के लिए जंग छिड़ती है। इसी जंग में प्रेम पनपता है। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत, आयशा कपूर और अनुष्का शर्मा को लिया गया था। इसका पोस्टर भी जारी हुआ, जिसमें एक आदमी मुंह में घड़ा लगाए दिखाया गया, लेकिन घड़े में एक बूँद भी पानी नहीं होता ! शेखर कपूर ने अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के बारे में एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने इसे एक 'आध्यात्मिक कहानी' के साथ एक 'ड्रामेटिक स्क्रिप्ट' करार देते हुए कहा था कि 'पानी' की कहानी एक लव स्टोरी के साथ कई रिश्तों के बारे में है। पानी की समस्या पर बनी एक फिल्म है 'कड़वी हवा' जिसकी कहानी दो ज्वलंत मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती है। एक है जलवायु में बदलाव के कारण बढ़ता जलस्तर और सूखे की समस्या ! फिल्म में सूखाग्रस्त बुंदेलखंड दिखाया गया है। सूखे की समस्या के कारण यहां के किसान कर्ज में डूबे हैं। किसानों की बेबसी और सूखी जमीन की हकीकत दिखाती फिल्म 'कड़वी हवा' में संजय मिश्रा ने बेहतरीन अभिनय किया है।

ऐसी ही एक फिल्म 'कौन कितने पानी में' दो गांवों 'ऊपरी' और 'बैरी' की कहानी है। ऊपरी गाँव ऊंची जाति वालों का है और बैरी गाँव में पिछड़ी जाति के लोग रहते हैं। लेकिन, वे जागरूक हैं और पानी को सहेजते हैं। एक ऐसा समय आता है, जब ऊंची जाति वालों के गाँव में पानी की किल्लत आती है। जबकि, पिछड़ी जाति वालों के गाँव में पानी बहुलता से रहता है। इस पानी के लिए ऊंची जाति वाले बैरी गाँव से छल करके पानी जुगाड़ लेते हैं। फिल्म का निष्कर्ष है कि यदि पानी को सहेजा नहीं गया तो इस किल्लत से हमें निपटना पड़ेगा। देखा गया है कि पानी की सबसे ज्यादा किल्लत गरीबों को ही चुकानी पड़ती है। अमीर तो पानी खरीदकर पी लेते हैं, लेकिन गरीब पानी खरीदकर किसे पिएं ! पानी की किल्लत पर कई डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है। इनमें से एक है 'थर्स्टी सिटी।' 2013 में बनी इस फिल्म में दिल्ली में पानी की किल्लत और पानी के लिए श्रमिकों के संघर्ष को कैमरे में कैद किया गया है। पानी की किल्लत पर फ़िल्में बनाने वाले निर्देशकों को इस पर काम करने का विचार तब आया, जब उन्होंने अपनी आँखों से इस समस्या को देखा और महसूस किया !

मानव अस्तित्व से जुड़ी इस गंभीर समस्या को समझते हुए शेखर कपूर फिल्म बनाने का साहस कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। इससे यह उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि संगीन विषयों पर सार्थक फिल्में बनाने वाले दूसरे निर्देशक भी आगे आएंगे। वे पानी की समस्या को रूपहले पर्दे पर उकेरकर पानी का कर्ज उतारेंगे और अपना सामाजिक दायित्व पूरा करेंगे। देव आनंद की बहुचर्चित फिल्म 'गाइड' और आमिर खान की 'लगान' में जब परदे पर पानी की बूंदे आसमान से बरसती हैं तो खुशी से सिर्फ पात्र ही उल्लसित नहीं होते, दर्शकों के मन में भी पानी की जीवनदायिनी अहमियत का अहसास होता है। किंतु, जब परदे से गांव ही गायब हो गए, तो भला खेत और पानी की बूंदों की अहमियत ही कहां बची ! फिल्म 'अनोखी रात' का गीत ज्ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में, सागर मिले कौन से जल में' हमारे जीवन दर्शन को अभिव्यक्त करता लगता है। फिल्म ही नहीं, गीतों में भी पानी की चर्चा मुहावरे के रूप में सुनी जाती है। लेकिन, यह सवाल फिर भी जिंदा है कि क्या हिन्दी सिनेमा में कभी पानी की वास्तविक समस्या दिखेगी !

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने के लिए सरकार के प्रयास प्रभावी नहीं

(अमिताभ पाण्डेय)

जलवायु परिवर्तन और क्लाइमेट एजुकेशन को लेकर पिछले चुनाव में पहली बार वोट देने वाले युवाओं सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं।

इसके मुताबिक दिल्ली में पहली बार वोट देने वाले युवाओं ने क्लाइमेट चेंज एक्शन को अपने पॉलिटिकल एजेंडे में सबसे ऊपर रखा ।

सर्वे में शामिल हुए 40 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि सरकार क्लाइमेट चेंज के मुद्दों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है। वहीं, 83 प्रतिशत ने उनके स्कूल में दी जा रही पर्यावरण शिक्षा को औसत और बेहद खराब माना है।

यह आंकड़े 'परसेप्शन ऑफ फर्स्ट-टाइम वोटर्स ऑन क्लाइमेट एजुकेशन इन इंडिया' सर्वे में सामने आए हैं। सर्वे 'असर' सोशल इम्पेक्ट एडवाइजर्स, क्लाइमेट एजुकेटर्स नेटवर्क और सीएमएसआर कंसल्टेंट्स की ओर से देश के चार राज्यों के सात शहरों में किया गया है। सर्वे दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू और महाराष्ट्र में किया गया है। शहरों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, कोयम्बटूर, कोलकाता और आसनसोल शामिल हैं। सर्वे में शामिल हुए युवाओं की उम्र 18-22 साल के बीच है।

टीबीएफ- द बेनियान फाउंडेशन की एजुकेशन डायरेक्टर स्वाति क्वात्रा स्कूल और कॉलेजों के भीतर इंटीग्रेटेड एजुकेशन की जरूरत और क्लाइमेट चेंज के असर के बारे में पढ़ाने पर जोर देती हैं। वे कहती हैं, ÷जलवायु परिवर्तन के सिर्फ कारणों और नकारात्मक प्रभावों को गिनाना ही काफी नहीं है। युवाओं को केवल निराशा, भय और चिंता महसूस होगी तो वे एक्शन की ओर बढ़ते हैं। इसीलिए क्लाइमेट एजुकेशन को समाधान वाले दृष्टिकोण के साथ और अधिक व्यावहारिक बनाना होगा। साथ ही यह दृष्टिकोण मिटिग्रेशन, लचीली रणनीतियों और सस्टेनेबल उपभोग पर केन्द्रित होनी चाहिए।÷

इस सर्वे में क्लाइमेट एजुकेशन के अंतरों का भी पता चलता है। 59त्न युवाओं को अपने स्कूल-कॉलेजों में दी जा रही शिक्षा में क्लाइमेट चेंज के कारण और परिणामों के बारे में पर्याप्त और सही जानकारी नहीं है। हालांकि इनमें से अधिकतर युवाओं ने मीडिया या सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से इस बारे में पढ़ा है।

वहीं, दिल्ली में तमाम पर्यावरणीय चिंताओं के कारण 92त्न युवाओँ ने कहा कि उन्हें क्लाइमेट एजुकेशन को मौजूदा एजुकेशन सिस्टम में इंटीग्रेटेड (एकीकृत) करना बेहद महत्वपूर्ण लगता है।

इसके अलावा दिल्ली में क्लाइमेट क्राइसिस की वजह से 61त्न युवाओं ने निराशा, डर, गुस्सा और चिंता जताई। जबकि 39 फीसदी युवा जलवायु परिवर्तन के दौर में भविष्य के प्रति आशावादी थे।

क्लाइमेट एजुकेटर्स नेटवर्क की संस्थापक सदस्य, सुनयना गांगुली कहती हैं, ÷सर्वे के नतीजों से स्पष्ट है कि स्कूल-कॉलेजों के सिलेबस में क्लाइमेट एजुकेशन आसान भाषा और तरीके से उपलब्ध नहीं है। निकट भविष्य में आने वाले जलवायु संकट की तैयारी भी नहीं है। इसीलिए हमें युवाओं में आशा और भरोसा पैदा करना

चाहिए। साथ ही गुणवत्तापूर्ण क्लाइमेट सिलेबस, कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्थान-आधारित और नई शिक्षा प्रणाली का उपयोग करना चाहिए। साथ ही जलवायु के प्रति जागरूक समाज बनाने के लिए युवाओं में स्किल और ज्ञान का विकास करना पड़ेगा।÷

सर्वे के प्रमुख निष्कर्ष¬सर्वे में शामिल हुए युवाओं में से 58त्न ने कहा कि स्कूल-कॉलेज में उन्हें मिली क्लाइमेट एजुकेशन 'औसत' है। जबकि 25त्न ने इसे ÷खराब÷ माना। सर्वे में शामिल हुए 40 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि सरकार क्लाइमेट चेंज के मुद्दों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है।

59त्न युवाओं का मानना है कि उन्हें जलवायु परिवर्तन के कारणों और परिणामों के बारे में पर्याप्त रूप से सूचना नहीं है। यह जलवायु परिवर्तन की उनकी समझ की रैंकिंग में बी दिखता है, जिनमें से अधिकांश (67त्न) ने कहा कि वे इस बारे में कुछ हद तक ही जानते हैं।

युवाओं ने जलवायु संकट से निपटने के लिए तीन बड़े तरीके गिनाए। जिसमें 19त्न ने परिवहन में सस्टेनेबल ढांचे को बढ़ाने, 18त्न ने रिन्यूएबल एनर्जी स्त्रोंतो को प्राथमिकता देने और 17त्न ने क्लाइमेट एजुकेशन और जागरूकता कार्यक्रमों पर जोर देने की बात कही।

युवाओं से पॉलिटिकल मुद्दों को लेकर भी सवाल किए गए। इसमें 19त्न ने पब्लिक हेल्थ क्राइसिस और 16त्न ने आर्थिक संकट के बारे में बात करने वाले उम्मीदवारों या पार्टियों को प्राथमिकता दी। वहीं, 16त्न ने क्लाइमेट चेंज को वोट देते वक्त महत्वपूर्ण विषय माना। सर्वे में शामिल 63त्न युवाओं ने कहा कि उन्होंने क्लाइमेट एजुकेशन के पहलुओं को अपने रुटीन लाइफ में अपना लिया है। हालांकि ग्रुप डिस्कशन के दौरान अधिकतर युवाओं का क्लाइमेट चेंज से आशय पर्यावरण के मुद्दे थे। उदाहरण के लिए, जब युवाओं से क्लाइमेट चेंज से निपटने के तरीके पूछे गए तो ज्यादातर ने पेड़ लगाने को इसका समाधान बताया।

इसी प्रकार 76त्न युवाओं ने कहा कि उन्होंने अपने स्कूल में जलवायु परिवर्तन के बारे में कुछ भी नया नहीं सीखा है। यह बयान क्लाइमेट एजुकेशन को लेकर वर्तमान में पाठ्यक्रम में मौजूद एजुकेशन के गैप को दिखाता है।

सर्वे के सवालों का जवाब देते हुए 92त्न युवाओँ ने कहा कि उन्हें क्लाइमेट एजुकेशन को मौजूदा एजुकेशन सिस्टम में इंटीग्रेटेड (एकीकृत) करना बेहद महत्वपूर्ण लगता है। सर्वे में शामिल हुए युवाओं ने हेल्थ क्राइसिस को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। उन्होंने क्लाइमेट चेंज/संकट और आर्थिक संकट को दूसरे स्थान पर रखा।

सुझाव और सिफारिशें¬ क्लाइमेट चेंज के विषयों को व्यापक रूप से कवर करने के लिए स्कूल और कॉलेजों के पाठ्यक्रम की समीक्षा और अपडेट करने की जरूरत है। साथ ही इसे खत्म करने की रणनीतियों और अंतरराष्ट्रीय केस स्टडीज जैसे नए पहलुओं को शामिल करना चाहिए।

अंतःविषय दृष्टिकोण¬समग्र समझ को बढ़ावा देते हुए, सामाजिक चुनौतियों के साथ इसके अंतर्संबंध को सामने लाने के लिए सभी विषयों में क्लाइमेट एजुकेशन को शामिल करें।

प्रारंभिक परिचय¬बच्चों को शुरूआत से ही पर्यावरण संबंधी साक्षरता पैदा करने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में आयु के हिसाब से जलवायु शिक्षा मॉड्यूल लाने की जरूरत है।

क्रमिक शिक्षाः जैसे-जैसे छात्र ग्रेड के माध्यम से आगे बढ़ेंगे. उसी हिसाब से जलवायु परिवर्तन संबंधी विषयों में भी बढ़ोतरी की जानी चाहिए। इससे सही उम्र में सही क्लाइमेट एजुकेशन सुनिश्चित होगी।

व्यावहारिक जुड़ाव¬ जलवायु परिवर्तन से संबंधित व्यावहारिक गतिविधियों, क्षेत्रीय कार्य और सामुदायिक परियोजनाओं को समझ और प्रतिबद्धता को गहरा करने के लिए सुविधाजनक बनाना।

अनुभवात्मक शिक्षाः छात्रों को पर्यावरणीय चुनौतियों से जोड़ने के लिए प्रयोगों, क्षेत्र यात्राओं और केस स्टडीज जैसे इंटरैक्टिव तरीकों के माध्यम से जोड़ें।

छात्र-नेतृत्व वाली पहल¬पर्यावरणीय स्थिरता के लिए छात्र-नेतृत्व वाले मंच स्थापित करें, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करें।

पॉलिसी एडवोकेसीः स्कूलों में अनिवार्य जलवायु शिक्षा और सभी शिक्षा स्तरों पर प्रभावी नीति कार्यान्वयन की एडवोकेसी की जरूरत है।

राजनीतिक प्रतिबद्धता¬राजनीतिक एजेंडे में जलवायु परिवर्तन को प्राथमिकता दें और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत करें।

युवाओं से जुड़ाव¬ कार्यशालाओं, इंटर्नशिप और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जलवायु पहल में युवाओं की भागीदारी के लिए मंच प्रदान करना।

निरंतर सुधार¬ जलवायु शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की निगरानी और सुधार के लिए नियमित मूल्यांकन और प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं संपर्क-9424466269)

निजी मोबाईल कंपनियों को मिली लूट की छूट ?

तनवीर जाफ़री

जिस समय लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना ताक़त व सामर्थ्य से सरकार चलाने व जनकल्याण सम्बन्धी अनेक दावे व वादे कर रहे थे उस समय देश की जियो रिलायंस, एयरटेल व वोडाफोन आइडिया जैसी तीन सबसे बड़ी कम्पनियाँ भारतवर्ष के लगभग 109 करोड़ मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं पर 34,824 करोड़ रुपए वार्षिक का आर्थिक बोझ डालने का फ़ैसला कर चुकी थीं। इन कंपनियों द्वारा अपने ग्राहकों के लिये मोबाइल शुल्क को बढ़ाते हुए अब बढ़ी कीमतों के साथ नए प्लान बाज़ार में उतारे गए हैं। इस बढ़े हुये टैरिफ़ के बाद अब ग्राहकों पर मोबाइल टैरिफ पर होने पर वाला उनका ख़र्च औसतन 15 प्रतिशत और बढ़ गया है। ग़ौरतलब है कि देश के कुल लगभग 119 करोड़ में से 109 करोड़ सेल फ़ोन उपभोक्ता केवल रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफ़ोन का मोबाईल कनेक्शन प्रयोग करते हैं जबकि शेष दस करोड़ उपभोक्ताओं में बीएसएनएल व अन्य छोटी क्षेत्रीय स्तर की कई कम्पनीज़ हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त होने व एन डी ए का तीसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद इन कंपनियों द्वारा लिया गया यह निर्णय निश्चित रूप से मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं को यह सोचने के लिये मजबूर करता है कि क्या रेट बढ़ाने के लिये यह कम्पनियाँ चुनाव समाप्त होने की प्रतीक्षा में थीं ? और यह भी कि चुनाव पूर्व इन कंपनियों द्वारा अपने टैरिफ़ में बढ़ोतरी इसलिये नहीं की गयी ताकि सत्ता को 109 करोड़ मोबाइल फ़ोन उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना न करना पड़े ? ग़ौरतलब है कि भारतीय मोबाईल बाज़ार में इस समय रिलायंस जियो के पास लगभग 48 करोड़ उपभोक्ता हैं जबकि एयरटेल के पास क़रीब 39 करोड़ तथा वोडाफोन आइडिया के पास 22 करोड़ 37 लाख मोबाईल फ़ोन उपभोक्ता हैं। तीनों ही कम्पनीज़ ने पूरे आपसी तालमेल के साथ केवल एक एक दिन के अंतराल पर क़ीमतों में इज़ाफ़ा किया। जैसे रिलायंस जियो ने 27 जून को अपने रेट 12 प्रतिशत से 27 प्रतिशत तक बढ़ाये तो एयरटेल ने 28 जून को 11 से 21 प्रतिशत रेट बढ़ाये इसी तरह 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने औसतन लगभग 16 प्रतिशत रेट बढ़ा दिये। विपक्ष का सीधा आरोप है कि यह कंपनियों अपनी मनमानी करते हुये अपने हिसाब से फ़ोन दर बढ़ा रही हैं और उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डाल रही हैं। एक प्रमुख अख़बार की रिपोर्ट के अनुसार केवल मोबाईल फ़ोन टेरिफ़ चार्ज बढ़ाने से देश में मुद्रा स्फ़ीति की दर में 0.02त्न की बढ़ोत्तरी हो जाएगी। इसका ज़िम्मेदार आख़िर कौन होगा ?

इसी बीच दूरसंचार मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी कर एक तरह से टेलीकॉम कंपनियों का बचाव करते हुये यह कहा गया है कि % टैरिफ़ की दर टेलीकॉम कंपनियां डिमांड एंड सप्लाई के आधार पर निर्धारित करती हैं। ये कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए टेक्नोलॉजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ख़र्च कर रही हैं और इस निवेश को फ़ाइनेंस करने के लिए ही टैरिफ़ बढ़ाने जैसे फ़ैसले लिए जाते हैं%। दरअसल भारत में टैरिफ़ सम्बन्धी फ़ैसले भारतीय दूर संचार नियामक प्राधिकरण ञ्ज्रन्नढ्ढ गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए कंपनियां करती हैं। सरकार स्वतंत्र बाज़ार के फ़ैसलों में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करती है। ख़बरों के अनुसार पिछले दिनों इन टेलीकॉम कंपनियों द्वारा देश में ग्राहकों को 5 जी नेटवर्क की सुविधा देने के लिए तकनीकी क्षेत्र में भारी निवेश किया गया है। अब ग्राहकों को 5 जी सर्विस का लाभ उठाने के लिए 71 फ़ीसदी ज़्यादा शुल्क देना होगा। जबकि आंकड़ों के अनुसार यदि 5 जी सुविधा देने के बदले यही कम्पनीज़ 15 से 17 फ़ीसदी प्रति उपभोक्ता औसतन शुल्क भी बढ़ाती हैं तो भी उन्हें अपनी लागत वापस मिल जायेगी। परन्तु सवाल यह है कि पूंजीपतियों के हितों का ध्यान रखने वाली सरकारें बढ़ चढ़कर उपभोक्ता हितों की केवल बातें तो करती हैं परन्तु या तो यह पूजीपतियों के हक़ में फ़ैसले करती हैं या उनके द्वारा उठाये गये इसतरह के मनमानी फ़ैसलों पर न केवल ख़ामोश रहती हैं बल्कि उन्हीं के पक्ष में कई तर्क भी दे डालती हैं।

उपरोक्त तीनों निजी कंपनियों द्वारा शुल्क दर बढ़ाने के बाद ख़बरें यह भी आ रही हैं कि इन कम्पनीज़ के तमाम उपभोक्ता इन्हें छोड़ अब बी एस एन एल का कनेक्शन ले रहे हैं। निजी मोबाईल द्वारा रिचार्ज टैरिफ़ बढ़ाए जाने के बाद बी एस एन एल ने भी प्रतिस्पर्द्धा में छलांग लगाते हुये तत्काल एक सस्ता और किफ़ायती टैरिफ़ प्लान भी पेश किया है। साथ ही बीएसएनएल की ओर से यह घोषणा भी की गयी है कि कंपनी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में 10 हज़ार 4त्न टॉवर लगाये हैं। इस घोषणा के बाद संभावना है कि बीएसएनएल जल्द ही 4त्न सर्विस शुरू कर सकती है। ग़ौरतलब है कि बीएसएनएल ने अप्रैल महीने तक देश भर में लगभग 3500 टॉवर स्थापित किए थे जोकि अब इस महीने यानी जुलाई तक 10 हज़ार तक पहुंच गए हैं ।

यह वही बी एस एन एल है जो सभी मूलभूत सुविधाओं के मौजूद होने के बावजूद केवल सरकारी निष्क्रियता व अवहेलना के चलते निजी क्षेत्र की कम्पनीज़ से लगातार पिछड़ता जा रहा था और ठीक इसके विपरीत निजी कम्पनीज़ सरकारी संरक्षण में फल फूल रही थीं। यहाँ तक कि निजी कम्पनीज़ द्वारा पूरे देश में बी एस एन एल के अनेक टावर्स भी इस्तेमाल किये जा रहे थे। याद कीजिये जिस दिन जियो रिलायंस की शुरुआत हुई थी उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र कम्पनी द्वारा देशभर के अख़बारों के मुख्य पृष्ठ पर अपने विज्ञापन में इस्तेमाल किया गया था जिसपर काफ़ी बवाल मचा था। बहरहाल अब इन निजी कम्पनीज़ द्वारा मनमानी तरीक़े से शुल्क बढ़ाये जाने के बाद जिस तरह ग्राहकों में बी एस एन एल में %घर वापसी% की होड़ मची है उसे देखकर बी एस एन एल के दिन फिरने की उम्मीद तो जगी ही है। साथ ही इन तीनों निजी कम्पनीज़ से ग्राहकों का मोह भांग होने के बाद इनके भी होश ठिकाने लगेंगे तभी ग्राहकों के साथ की जाने वाली इनकी व इन जैसी दूसरे क्षेत्रों की अन्य निजी कम्पनीज़ की मनमानी पर भी नियंत्रण लग सकेगा।

कोलेस्ट्रॉल का बढ़ रहा खतरा स्वास्थ्य को चौपट कर देगा

- ललित गर्ग -

स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत का अनेक खतरों से रू-ब-रू होना चिन्ता में डाल रहा है। बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता के साथ मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसे रोग दबे पांव इंसानों को घेर कर बड़ी चुनौतियां बन रहे हैं, जिन्हें बड़े खतरों के रूप में देखा जाना चाहिए। इन्हीं बढ़ते खतरों के बीच देश में कोलेस्ट्रॉल एक नई स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण एवं स्वास्थ्य के मोर्चे पर गंभीर हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। कोलेस्ट्रॉल की पहचान के लिए लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। शरीर में लिपिड का लेवल कितना हो इसके लिए भारत की अपनी पहली गाइडलाइन बनाई गई है। कोलेस्ट्रॉल का बेहतर ढंग से इलाज दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ना बेहद खतरनाक होता है। इससे कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

आज जितनी भी नई-नई बीमारियां उभर रही है, उसका कारण असंतुलित एवं सुविधावादी जीवनशैली है। डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समृद्धि के कारण लोगों की खान-पान, नशा एवं उन्मुक्त जीवनशैली है। देर रात को सोना एवं सुबह देर से उठना, ना खाने का समय, ना शरीर को तपाने की कोई पद्धति। फास्ट-फूड के आधुनिक दौर में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और ज्यादा वसा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। निश्चित ही यह यह रोग अमीर लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है, लेकिन बड़ी समस्या यह है एक बड़ी आबादी इसकी गिरफ्त में आ गयी है। वह गरीब आबादी जो देश में आज मुफ्त अनाज पर निर्भर है। इसलिये बहुसंख्यक लोगों में इस रोग के पनपने एवं शारीरिक समस्या के लिए सिर्फ हम जीवनशैली को दोषी नहीं ठहरा सकते। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन एवं गंभीर अध्ययन की जरूरत है। इस बढ़ते खतरे को समय पर नियंत्रित नहीं किया गया तो भारत बीमारों का देश बन जायेगा।

भारत में डिस्लिपिडेमिया की बीमारी तेजी से फैल रही है, जो एक साइलेंट किलर की तरह है। इस बीमारी के लक्षण तो नजर नहीं आते लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगती है और हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है। निश्चित ही कोलेस्ट्रॉल को लेकर जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ तो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। हार्ट अटैक को लेकर अक्सर ये कहा जाता रहा है कि डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्ट्रेस, तंबाकू सेवन, मद्यपान आदि के कारण हार्ट अटैक होते हैं, लेकिन इसके विपरीत भारत में हार्ट अटैक के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जो चीज देखी गई है, वह है डिस्लिपिडेमिया यानि लिपिड प्रोफाइल जो भारत में 80 फीसदी लोगों में नॉर्मल नहीं है और न ही लोगों को इसकी जानकारी ही है। विशेषज्ञ बताते हैं कि पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में पिछले 10 सालों में दिल का रोग बढ़ता गया है। इसका बड़ा कारण खानपान, खराब एवं असंतुलित हुई जीवनशैली, दैनिक शारीरिक गतिविधि में आई कमी सहित दूसरे कारण है।

इस बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को गंभीरता से लेना होगा। क्योंकि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की स्वास्थ्य-समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने, सार्वजनिक दूरी बनाने, खानपान को संतुलित करने के उपक्रम शुरू कर दिए थे। कोलेस्ट्रॉल के इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे। हमारे देश की आधी आबादी शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं है। भारत की जनता शारीरिक रूप से सक्रियता के मामले में दुनिया में 12वें नबंर पर है। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल के अनुसार हमारे देश में 57 फीसदी महिलाएं शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। वहीं, इस सूची में पुरुष तकरीबन 42 फीसदी है।

दुनिया की बड़ी चिन्ताओं में स्वास्थ्य प्रमुख है। सभी देशों में स्वास्थ्य की स्थिति सोचनीय एवं परेशान करने वाली है। वैज्ञानिक प्रगति, औद्योगिक क्रांति, बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा आधुनिक जीवन के तनावपूर्ण वातावरण के कारण शारीरिक एवं मानसिक रोगों में भारी वृद्धि हुई है। यह किसी एक राष्ट्र के लिये नहीं, समूची दुनिया के

लिये चिन्ता का विषय है। अस्वास्थ्य वर्तमान युग की एक व्यापक समस्या है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेध घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों को रोकने के लिये नई-नई चिकित्सा पद्धतियां असफल हो रही है। जैसे-जैसे विज्ञान रोग-प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे-वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ स्वस्थ खाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि कैसे दुनिया एक साथ आकर सभी को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है।

भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य-स्थितियां नई-नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती है। इसलिये चिकित्सा-स्थितियों के साथ-साथ स्वास्थ्य-स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे। बीमारियों पर नियंत्रण के लिये योग एवं साधना, संतुलित आहार एवं संयमित जीवनशैली को भी प्रोत्साहित किया जाये। जितनी भी मानसिक और कायिक बीमारियां या विकृतियां उत्पन्न होती है, वे इस बात की गवाह है कि किसी एक ने 'रोड क्रोसिंग' पर खड़े 'ट्रेफिक पुलिस' के निर्देशों की उपेक्षा कर 'ओवर टेकिंग' की कोशिश की है। सारी दुनिया में बढ़ते हुए मनोरोग एवं हृदयरोग इसी आंतरिक अव्यवस्था का परिणाम है। अन्य असाध्य बीमारियों का कारण भी असंतुलित जीवनशैली है। इसलिये अच्छे स्वास्थ्य के लिये मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बरतना नितान्त अनिवार्य है। प्रेषक

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

केंद्रीय मंत्री डॉक्टर वीरेंद्र कुमार की आभार रैली आज एवं कल

छतरपुर। केंद्रीय मंत्री डॉक्टर वीरेंद्र कुमार 8 एवं 9 जुलाई को छतरपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। 8 जुलाई को सुबह 9 बजे नौगांव से गुलगज 10 बजे पहुचना- 10.15 गुलगज से बिजावर रवाना तथा 11.30 बिजावर नगर प्रवेश चक्कर के रोड से बाजार होते बस स्टैंड नगर मै आभार रैली खुले वाहन मै तथा आभार सभा। विधायक जी के निवास पर भोजन तथा - 2 बजे दोपहर वाया मातगुवा, चौका छतरपुर रवाना- 3.30 बजे ढडारी, नगर छतरपुर बिजावर नाका से एस पी आफिस भाजपा कार्यालय के सामने से पत्रकार चौक से मुख्य बाजार गाधीं चौक होते डाकखाना,चौराहे पर आभार रैली समापन एवं आमसभा होगी। 9 जुलाई को महाराजपुर विधान सभा में आभार रैली आयोजित की जायेगी।

शिव हनुमान मंदिर में हुई राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

छतरपुर। नगर में शिल्पशाला मार्ग स्थित अग्रसेन स्कूल के पास श्री शिव हनुमान मंदिर में रविवार को पूरे धार्मिक विधि-विधान से राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की गई। राम दरबार में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता जानकी की संगमरमर की मूर्तियां शामिल हैं जिन्हें राजस्थान से विशेष तौर पर बनवाया गया है। इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर डॉ ब्रजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि इसके पहले शनिवार की सुबह कलश यात्रा के साथ इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। कलश यात्रा के बाद भगवान का अधिवास कराया गया और रविवार को हजारा स्नान, नगर भ्रमण करा कर पूरे विधि विधान से शाम को प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस अवसर पर सोमवार की दोपहर भंडारे में प्रसाद वितरण किया जाएगा।

महालक्ष्मी मंदिर में नि:शुल्क नेत्र शिविर 12 को

छतरपुर। सरानी दरवाजा बाहर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में नगर अग्रवाल समाज एवं अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा 12 जुलाई को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया है। जिला अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि महेश कुमार अग्रवाल सर्राफ की स्मृति में उनके पुत्र पियूष अग्रवाल के सहयोग से आयोजित इस नेत्र शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकी कुण्ड चित्रकूट के नेत्र विशेषज्ञों की टीम द्वारा मरीजों की आंखों की जांच कर दवा व चश्मे प्रदान किए जाएंगे। मोतियाबिंद के मरीजों को वाहन से चित्रकूट ले जाकर आपरेशन किया जाएगा। मरीजों के आने जाने, ठहरने, भोजन व आपरेशन की निशुल्क व्यवस्था रहेगी। इतना ही नहीं शिविर में मरीजों को खिचड़ी प्रसाद और भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। अग्रवाल समाज के नगर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आंखों के मरीजों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। मरीजों को अपने साथ आधार कार्ड की फोटोकापी अवश्य लानी पड़ेगी।

जनपद पंचायत हटा के सभागार में संपूर्णता अभियान कार्यक्रम संपन्न

दमोह~जनपद पंचायत हटा के सभागार में संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का आयोजन हटा विधायका श्रीमती उमा देवी खटीक की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर चंद्रभान पटेल, रतिराम पटेल, कनई पटेल, श्री परिहार, एसडीएम हटा राकेश मरकाम, सीईओ जनपद हटा बी एस यादव, परियोजना आधिकारी हटा शिव राय सहित हटा ब्लॉक से अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ मनोज कुमार अहिरवार एवं कृषि विभाग से एस.ए.डी.ओ. हटा एम.पी. सरवैया ने कृषिको को तकनीकी जानकारी दी। राष्ट्रीय आजीवका मिशन से संदीप सिंह एवं महीला बाल विकास विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन कर अपने विभाग से संबंधित जानाकरी भी दी गई।

पुलिया में मोटर साइकिल बही

नैनपुर नैनपुर थाना अंर्तगत समीपस्थ पिडरई पुलिस चौकी के लालपुर ग्राम के नाले की पुलिया मे तेज उफान मे मोटर साइकिल सवार दो युवकों ने पार करने की कोशिश के चलते बीच भवर संतुलन खो दिया तेज बहाव एक युवक अभिलाष ने तैरकर जान बचा ली एक युवक निखल मोटर साइकल सहित लापता बताया गया है क्षेत्रीय जनो व पुलिस दल बचाव दल खोज की जा रही है बताया जा रहा है कि मोटर साइकल मिल गई है साथी निखिल नही मिला तलाश जारी है

कल से गूंजेंगी शहनाइयां

सांध्य प्रकाश, विदिशा। कल से शहनाईयों की गूंज सुनाई देगी। लग्नसुरा प्रारंभ होने के कारण शादी का मुहुर्त शुरू हो जाने के कारण रविवार को भी बाजार खुला रहा, लेकिन जुलाई महीने में मात्र नो दिन ही वैवाहिक मुहूर्त हैं। इसके बाद 17 जुलाई से फिर विवाह बंद हो जाएंगे और फिर देवशयनी एकादशी के चलते आगे चार माह तक विवाह नहीं हो सकेंगे। बता दें कि 28 अप्रैल के बाद से विवाह बंद हो गए थे, जो कल से शुरू होने जा रहे हैं। पंडित संजय पुरोहित ने बताया कि 9 जुलाई से 17 जुलाई तक ही विवाह के मुहूर्त हैं। 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी पर देवशयन हो जाएगा। जिसके चलते सभी तरह के मांगलिक कार्य बंद हो जाएंगे।

152 सालो से निरंतर श्री जगदीश मंदिर पुराना थाना से निकल रही जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा

भगवान जगन्नाथ स्वामी बड़े भाई बलदाऊ और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर निकले मिले सबको दर्शन

दमोह जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ दमोह रथयात्रा पुजारी पंडित नर्मदा प्रसाद गर्ग जी ने बताया की दमोह मे प्राचीन मंदिर 152 सालो से निरंतर श्री जगदीश मंदिर पुराना थाना से निकल रही जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा।

जानिए तीनों रथ के बारे में विशेष जानकारी और इतिहास हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भव्य रथ यात्रा का आरंभ होता है। जो इस बार 7 जुलाई से आरंभ हो रही है। आइए जानते हैं यात्रा का इतिहास और तीनों रथों का महत्व...

शास्त्रों में भगवान जग?नाथ रथयात्रा का विशेष महत्व बताया गया है। यह रथ यात्रा जगदीश मंदिर पुराना थाना दमोह से हर साल निकलती है। रथ यात्रा को देखने जिले भर से लोग आते हैं। मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के अवतार जग?नाथजी की रथयात्रा में शामिल होने का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है।

आपको बता दें कि हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भव्य रथ यात्रा का आरंभ होता है। वहीं इस भव्य यात्रा का समापन शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ होता है। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ अलग-अलग रथों में सवार होकर भ्रमण के लिए निकलते

हैं। यात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है।

बलराम जी का रथ

भगवान बलराम जी के रथ का नाम तालध्वज है। साथ ही इस रथ के रक्षक वासुदेव और सारथी मताली होते हैं। रथ के ध्वज को उनानी कहते हैं। वहीं जिस रस्सी से रथ खींचा जाता है, वह वासुकी कहलाता है।

भगवान जगन्नाथ हुए बीमार, एकांतवास में हो रहा है उपचार, रथ यात्रा तक बंद रहेंगे मंदिर के कपाट

बहन सुभद्रा का रथ

गवान बलभद्र और जगन्नाथ भगवान की छोटी बहन सुभद्रा का रथ का नाम पद्मध्वज है। साथ ही रथ को तैयार करने में काले और लाल रंग के कपड़ों का प्रयोग किया जाता है। रथ की रक्षक जयदुर्गा व सारथी अर्जुन होते हैं। वहीं इसके अश्व रोचिक, मोचिक, जिता व अपराजिता हैं। साथ ही से खींचने वाली रस्सी को स्वर्णचूड़ा कहते हैं।

रथ यात्रा का इतिहास

भगवान जगन्नाथ मंदिर को लेकर कई कथाओं का वर्णन है। साथ ही कहते हैं कि यह बाद में नष्ट हो गया है। वहीं ऐसा माना जाता है धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने से साधक के सभी दुख दूर हो जाते हैं। पुजारी पंडित नर्मदा प्रसाद गर्ग जी ने बताया कि जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ शनिवार को दोपहर एक बजे से विशाल भंडारे का आयोजन हुआ और रविवार को शाम को जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा निकाली गई जो पुराने थाने से टाकीज चोराहा,बाकोली,घंटाघर ,उमा मिस्त्री की तलैया ,महाकाली चौराहा,सिटी नल होते हुए पुनः पुराने थाने पर विश्राम करने पहुंची इस अवसर पर श्रद्धालुओ ने बड़ी संख्या मे रथ यात्रा मे शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित किया।

1872 में पुराना थाना स्थित जगदीश मंदिर की स्थापना की गई थी। यहा भगवान जगन्नाथ स्वामी, बहन सुभद्रा और भाई बलराम की प्रतिमाएं हैं।

चौरिया कुर्मी महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह

नपा अध्यक्ष ओर समाज के वरिष्ठ लोगों ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

नर्मदापुरम //इटारसी में चौरिया कुर्मी महासभा मप्र ओर महाराष्ट्र का प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह शहर के एक निजी रिजॉर्ट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से नगर पालिका अध्यक्ष चौरे, चौरिया कुर्मी महासभा अध्यक्ष नवीन पटैल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशल पटेल, सुधीर पटेल, बीके पटेल, रामकिशोर चौरे, पुरुषोत्तम पटेल, प्रशांत जाधव, एसके पटेल, सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे। बलराम पटेल के साथ एसके पटेल ने समाज की 10 वी,12वीं के छात्र छात्राओं और खेल समाजसेवी का सम्मान किया गया। चौरिया कुर्मी महासभा के अध्यक्ष नवीन पटेल और सह मीडिया प्रभारी राकेश पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में उन सभी युवाओं का सम्मान किया गया जिन्होंने अपने हुनर और हौसले से अपने आप को निखारा और आज न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ा रहे हैं। समाज की 250 से अधिक सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इसमें कक्षा दसवीं व बारहवीं कक्षा में 80त्न या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इसके अलावा उच्च शिक्षा, खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में बेहतर सेवा दे रहे सामाजिक बंधुओं का सम्मान किया गया। यह वह प्रतिभाएं है जिन्होंने विषम परिस्थिति में संघर्ष कर उच्च मुकाम हासिल किया है ,ऐसे प्रतिभाओं के सम्मान के साथ उनके माता पिता का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को सामने लाने के साथ साथ अन्य युवकों को उत्साहित करने का प्रयास है।

इनका हुआ सम्मान

कारगिल युद्ध के सैनिक अश्विनी चौरे, पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले रेलवे यार्ड मास्टर विनोद चौधरी को सम्मानित किया गया। इसके अलावा कबड्डी रेफरी में 7 वां स्थान प्राप्त करने वाले विवेक हिमांशु चौरे, आईआईटी में 996 रैंक हासिल करने वाले अंशु मलैया, 12वीं में 94त्न अंक लाने वाले रेवांश चौधरी, आयुष कोरी, समर्थ चौधरी, पिंकी चौरे, पावनी चौरे का सम्मान किया गया। इसके अलावा खेल प्रतिभाओं में प्रदर्शन करने वाली ऋषिका पटेल, अंजनी पटेल, स्नेहा चौरे, वेदांत पटेल का महासभा ने सम्मान किया गया।

एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत बड वाले बाबा के स्थान पर रोपे पौधे

औबेदुल्लागंज -सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों ने बड वाले बाबा (जींद वाले बाबा) के स्थान पर पौधारोपण किया गया। आपको बता दे प्रसिद्ध स्थान पर सभी धर्म के लोग आते हैं अपनी मन्नत मांगते हैं बड वाले बाबा के आशीर्वाद से उनकी मन्नत पूरी होती है इस मौके पर सुरजीत सिंह बिल्ले ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधारोपण आवश्यक है। इससे वातावरण शुद्ध रहता है और आक्सीजन की भर पूर बनी रहती है। वही अरुण भावसार ने कहा कि जीवन को बचाने के लिए आक्सीजन की आवश्यकता है। पौधे जीव, जंतु व मानव जाति के लिए लाभदायक है। उनको रोपित करने के साथ बचाने की जरूरत है। यदि पृथ्वी से वृक्षों का अस्तित्व समाप्त हो गया तो जीवन नष्ट हो जाएगा। इस पौधा रोपण कार्यक्रम में सुरजीत सिंह बिल्ले , अरुण भावसार, पारस मालवीय, इंग्लिश यादव, भारत निहाल, मोहन योगी, बाल कन्या दिव्या यादव, कृष्ण गोपाल यादव, दिवांशु यादव, राम निहाल, रहीम निहाल, सुरेश केवट आदि उपस्थित रहे।

हमारे संस्कार तो प्रकृति की पूजन करने वाले है- विष्णु खत्री

बैरसिया। वृक्षारोपण दिवस के दिन संपूर्ण मध्य प्रदेश में जहां वृक्षारोपण किया गया वहीं बेरसिया तहसील के गांव कस्बे और नगर में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में जन समूह के द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जगह-जगह लगाया गया पूरे बैरसिया तहसील में 50 हज़ार से अधिक वृक्षारोपण का कार्य किया गया हमारी संस्कृति तो प्रकृति की पूजन करने वाली है। हम पेड़, पौधे और पहाड़ की तक पूजन करते है। यह बात विधायक विष्णु खत्री में शनिवार को श्याम प्रसाद मुखर्जी की जयंती मौके पर बाजीराव पेशवा स्टेडियम में पौधरोपण समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि अबला नोवमी पर हमारी माताएं-बहने अबला के पेड़ की पूजन करती, वहीं ग्यारस पर तुलसी की पूजन करने वाली संस्कृति के लोग है। हमारे पूर्वजों ने हमें अच्छे संस्कार दिए है, लेकिन बीच में अंग्रेजों ने और पाश्चात्य संस्कृति ने हमारी संस्कृति को भुलाने का प्रयास किया, लेकिन हमने पहले भी सिद्ध किया है कि हमारी संस्कृति ही सर्वश्रेष्ठ है और धीरे-धीरे पाश्चात्य संस्कृति को मानने वाले लोगों को भी समझ आएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को पौधे लगाना भी है और इनकी देखरेख

भी करना है। हम सब मिलकर इस प्रक्रति को हरा-भरा करे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीईओ दिलीप जैन ने कहा कि एक पेड़ रोजाना जितनी ऑक्सीजन देता है। उसकी बाज़ार क़ीमत 13 लाख रुपये प्रतिदिन है। इसके साथ ही केवल पेड़ ही एक अकेला ऐसा है, जो सूर्य की तपन को अपने भोजन में परिवर्तित करता है। इसके साथ ही पेड़ की हरियाली बादलों को आकर्षित करती है। ऐसे अनेक फायदे है पेड़ होने से, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे रोपित करना है।

चुनावी प्रचार पर उच्च न्यायालय का अहम फैसला

चुनावी प्रचार के आरोप में बर्खास्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को उच्च न्यायालय ने कहा 7 दिनों के अन्दर बहाल करें

सांध्य प्रकाश संवाददाता सोहागपुर

नगर पंचायत परिषद के चुनाव में चुनावी प्रचार करने के आरोप में बर्खास्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुमित्रा अहिरवार को 7 दिनों के अन्दर सेवा में बहाल करने का निर्देश उच्च न्यायालय जबलपुर की अदालत की एकलपीठ के विद्वान न्यायाधीश जस्टिस विवेक अग्रवाल ने दिया है। सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय सोहागपुर निवासी सुमित्रा अहिरवार के अधिवक्ता उमाशंकर तिवारी ने पक्ष रखा था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने अहम फैसले में कहा है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूर्ण रूप से शासकीय सेवा के आचरण नियम लागू नहीं होते। जहां तक शासन के परिपत्र का सवाल है तो उसमें भी कहीं यह उल्लेख नहीं है। कि चुनावी प्रचार में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भाग नहीं ले सकती। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता पर यह आरोप लगाया गया था। कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमित्रा अहिरवार नेअपनी बहन के स्थानीय निकाय चुनाव में प्रचार किया। जिसमें याचिकाकर्ता के मोबाइल के स्क्रीन शॉट भी शिकायत के साथ भेजे गए थे। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रोजेक्ट ऑफिसर ने 11 जुलाई 2022 को याचिकाकर्ता की सेवाएं समाप्त कर दी थी। इस मामले की अपील कलेक्टर व संभागायुक्त के समक्ष की गई थी ।लेकिन उनकी अपील को निरस्त करके सेवा समाप्ति के आदेश को यथावत रखा था। अधिवक्ता उमाशंकर तिवारी, अधिवक्ता अभिनव तिवारी ने दलील दी थी कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए कोई सेवा

के आचरण नियम नहीं हैं। उन्हें केवल मानदेय मिलता है। केवल राजनीतिक दबाव एवं प्रतिशोध की भावनाओं एवं राजनीतिक आकाओं के इशारे से आरोप लगाएं गए थे ।

उच्च न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश ने निचली अदालत के समस्त आदेशों को खारिज करते हुए कहा है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पर सिविल सेवा आचरण संहिता 1965 लागू न होने का हवाला देते हुए तथा महिला बाल विकास संचनालय के आदेश दिनांक 10.7.2007 का हवाला देते हुए सभी आरोपी को सिरे से खारिज कर दिया है। उक्त आश्य की जानकारी अधिवक्ता ललित शर्मा ने दी।इस फैसले के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अहिरवार समाज के नागरिकों एवं महिलाओं में हर्ष व्याप्त है। क्षेत्र के स्नेहियो ने श्रीमति सुमित्रा अहिरवार को बधाईयां दी हैं।

मां अपूर्वा की स्मृति में किया गया वृक्षारोपण, विधायक हुए शामिल

सांध्य प्रकाश, विदिशा। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में ओशो लाइफ अकादमी के संस्थापक सदस्या मां अपूर्वा की स्मृति में एक वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मुकेश टंडन द्वारा किया गया। इस अवसर पर ओशो लाइफ अकादमी से जुड़े सदस्य एवं उनके परिवारों द्वारा भाग लिया गया एवं कई वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया। मुकेश टंडन द्वारा 2000 ट्री गार्ड देने या इस पुनीत कार्य में जितने भी ट्री गार्ड की आवश्यकता होगी उसके अनुसार विधायक निधि से उपलब्ध करने का आश्वासन दिया गया। इस हेतु उपस्थित

नागरिकों द्वारा उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उपस्थित ओशो लाइफ अकादमी के संचालक अखिलेश जैन द्वारा भी वृक्षों को निरंतर मेंटेनेंस की जवाबदारी की बात कही गई। देवना अरोरा संचालक वात्सल्य स्कूल द्वारा साप्ताहिक रूप से प्रत्येक वृक्ष जो ओशो लाइफ अकादमी द्वारा जाए जाने उसकी देखरेख की बात कही। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर विदिशा संतोष बिटोलिया द्वारा भी निरंतर इस कार्य की समीक्षा एवं अन्य आवश्यक जिम्मेदारी ली गई। कार्यक्रम उपरांत आभार व्यक्त आदेश जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर संजय भंडारी, पंकज जैन, अजय साहू, चंद्रकांत गुप्ता, स्वदेश जैन, मुकेश जैन, कृति प्रधान, रश्मि भण्डारी, नेहा अग्रवाल, नीलम जैन, ममता ताम्रकार, रामस्वरूप स्वामी आदि कई नागरिकों द्वारा श्रमदान किया गया।

2 अलग-अलग हादसों में कई घायल

सांध्य प्रकाश, विदिशा। ग्राम पुरागुंसाई निवासी राकेश अपनी भांजियों के साथ मानोरा मेला देखने गए थे। वहां से लौटते वक्त उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। जिससे तीनों घायल हो गए। उन्हें घायल अवस्था में एंबुलेंस की मदद से विदिशा के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। घायलों में राकेश रावत के अलावा उनकी 17 वर्षीय भांजी नेहा और 16 वर्षीय रवीना शामिल है। वहीं ग्राम बंधेरा में रहने वाले रविंद्र राजपूत अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ में मनोरा रथयात्रा दर्शन करने गए थे। दोपहर में वहां से लौटते वक्त अचानक सड़क पर तेज रफ्तार बाइक से एक गाय टकरा गई। जिससे बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बाइक पर सवार चारों लोग घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां रविंद्र और उनके बेटे के सिर में गंभीर चोट आने के कारण जिला अस्पताल से सीधे भोपाल रेफर किया गया।

इलाज के दौरान युवती की

सांध्य प्रकाश, विदिशा। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान एक युवती की मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय रुपी कुशवाह ने अज्ञात कारण के चलते पांच जून को जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था, परिजन उसे जिला अस्पताल लाए, जहां उपचार के दौरान रविवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

पूरनपुरा स्थित जगदीश मंदिर से धूमधाम से निकली रथ यात्रा

सांध्य प्रकाश, विदिशा। रविवार को जहां पूरे देश और प्रदेश भर में रथ यात्राओं का आयोजन किया गया तो वहीं विदिशा के पूरनपुरा में नवनिर्मित जगदीश मंदिर से भी भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी ने बताया कि यह रथयात्रा पूरनपुरा मंदिर से प्रारंभ होकर अहमदपुर चौराहा, पीतलमिल, ओवर ब्रिज, खरीफ फाटक रोड, माधवगंज निकासा, तिलक चौक, बड़ा बाजार, डंडापुरा, बस स्टैंड होकर नीमताल से वापस पूरनपुरा मंदिर में संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरूष रथयात्रा में सम्मिलित हुए।

100 तक पहुंच सकता है ब्रिज सिक्योरिटीज का शेयर, अभी 36 है दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। फाइनेंस सेक्टर की माइक्रो-कैप कंपनी ब्रिज सिक्योरिटीज के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रहेंगे। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 5 प्रतिशत तक चढ़कर 36.51 रुपये पर बंद हुए। बता दें कि हाल ही में कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 1:10 के रेशियो के लिए स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया है। इसके बाद शुक्रवार को यह शेयर 52-सप्ताह के नए उच्च स्तर 36.51 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ था। कंपनी ने इसके लिए रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई को तय किया था।

वित्तीय तिमाही के नतीजे- ब्रिज सिक्योरिटीज फाइनेंशियल्स 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी की नेट इनकम 0.32 करोड़ रुपये रही। इसका नेट खर्च क्यू4एफवाय24 में 0.02 करोड़ रुपये था, जो क्यू4एफवाय23 में 0.84 करोड़ रुपये था। ब्रिज सिक्योरिटीज ने कहा कि मार्च 2024 तिमाही में उसका 0.31 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023 की समान तिमाही में यह (-0.51) करोड़ रुपये था, जबकि क्यू4एफवाय24 में शुद्ध लाभ 0.27 करोड़ रुपये था, जबकि क्यू4एफवाय23 में 0.40 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

सेबी- रजिस्टर्ड एनालिस्ट वीएलए अंबाला के मुताबिक, 2 से 8 महीने की अवधि के भीतर 45 रुपये से 100 रुपये के बीच टारगेट प्राइस तक जा सकता है। 25 रुपये का स्टॉप लॉस रखना चाहिए। इसका मार्केट कैप 11 करोड़ रुपये से कम है। कंपनी स्मॉल-कैप कैटेगरी के आती है। बता दें कि कंपनी के शेयर पिछले पांच दिन में 22 प्रतिशत और महीनेभर में 55 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। छह महीने में यह शेयर 103 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इस दौरान इसकी कीमत 17 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई।

एमराल्ड फाइनेंस ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के कंसोलिडेटेड एबिटडा में 115त्न वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड. (बीएसई : एमराल्ड) बैंकिंग प्रोडक्ट्स और वित्तीय सेवाओं का स्पेक्ट्रम ऑफर करने वाली एक डायनामिक कंपनी है. कंपनी ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा,, वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही में हमारा जोरदार वित्तीय प्रदर्शन इनोवेटिव वित्तीय सॉल्यूशंस और ग्राहक केंद्रित सेवाओं पर हमारे व्यूहात्मक फोकस की कसौटी है. हमने एबिटडा में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जो हमारी सक्षम परिचालन, व्यूहात्मक और लागत मैनेजमेंट पहल को दर्शाता है. लाभ लगभग दुगना होने के साथ कुल आय में जोरदार वृद्धि हमारे वित्तीय प्रोडक्ट की आशाजनक मांग का जोरदार संकेत है.

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को रेल मंत्रालय से इमर्जेंसी लाइटिंग सिस्टम के लिए मंजूरी मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई- 532850, एनएसई:) ने घोषणा की है कि रेल मंत्रालय ने ईओजी टाइप एलएचबी एसी और एनएसी कोच हेतु इमर्जेंसी लाइटिंग सिस्टम के लिए कंपनी की क्षमता सह क्षमता मूल्यांकन को मंजूरी दे दी है।

इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की कि उसने अपना क्यूआईपी इश्यू बंद कर दिया है और बोर्ड ने क्वालिफाइड एलिजिबल संस्थागत खरीदारों को 46 रुपये प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 1,95,65,217 इक्विटी शेयर्स के इश्यू और अलॉटमेंट को मंजूरी दे दी है। क्यूआईबी के बीच, कंपनी ने अंतरा/अंतारा इंडिया एवरग्रीन फंड लिमिटेड, कोयस ग्लोबल अपॉर्चुनिटीज़ फंड और मिनर्वा वेंचर्स फंड को शेयर आवंटित किए। हाल ही में कंपनी ने घोषणा की थी कि उसे फिरोजपुर डिवीज़न के प्रमुख और महत्वपूर्ण स्टेशंस पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड के प्रावधान के लिए नॉर्दन (उत्तरी) रेलवे जोन के फिरोजपुर डिवीज़न से स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है।

रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड बोर्ड क्यूआईपी के द्वारा 200 करोड़ रुपये के फंड को जुटाने पर विचार करेगा

मुंबई एजेंसी। रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई: 539561), एक कंपनी जो एपीआई इंटरमीडिएट्स और एपीआई ट्रेडिंग के लिए आवश्यक अनेक अन्य रॉ मटेरियल्स के व्यापार में लगी हुई है, ने घोषणा की है कि उसकी बोर्ड मीटिंग 08 जुलाई 2024 को एलिजिबल इन्स्टिट्यूशनल प्लेसमेंट के माध्यम से 200 करोड़ रुपये तक की धनराशि जुटाने हेतु प्रस्ताव पर विचार करने और मंजूरी देने के लिए होगी, इसके अंतर्गत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स और इंटरमीडिएट स्पेस में अच्छी मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस परिसंपत्तियों के अधिग्रहण को वित्तपोषित करने के लिए योग्य संस्थागत खरीदारों को इक्विटी शेयर्स, कन्वर्टिबल सिक्युरिटीज़, या अन्य एलिजिबल इंस्ट्रूमेंट्स जारी करने के माध्यम से टेक्नोलॉजी के अधिग्रहण के रूप में, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, जिसमें यूएस ड्रग मास्टर फ़ाइल, यूरोपीय फार्माकोपिया के मोनोग्राफ के लिए उपयुक्तता का प्रमाण पत्र, टेक पैकेज और दूसरी ऐसेट्स शामिल हैं, सम्मिलित किया जाएगा। हाल ही में, कंपनी को यूनाइटेड किंगडम स्थित फार्मास्युटिकल डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी एस्टर बायोटेक लिमिटेड से मल्टी-ईयर सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कॉन्ट्रैक्ट में अनेक एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स, इंटरमीडिएट्स और स्पेशलिटी केमिकल्स की सप्लाई शामिल है।

टाटा मोटर्स की संपूर्ण आफ्टर-सेल?स सेवाओं की मदद से मध्य प्रदेश के ट्रकों का चलना निरंतर जारी

भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स ने भारतीय ट्रकिंग उद्योग में कई उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। कंपनी लगातार अपने सर्विस इकोसिस्टम को मजबूत कर रही है और वाहनों का ज?यादा अपटाइम सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा रही है। मौजूदा समय में फ्रेट डिलीवरी की समय-सीमाओं को देखते हुए ज्यादा अपटाइम होना काफी मायने रखता है। कंपनी एक मजबूत सर्विस नेटवर्क, मूल्य-वर्द्धित सेवाओं की श्रृंखला और असली स्पेयर पार्ट्स मिलने में आसानी की पेशकश कर रही है। कंपनी ड्राइवर की सेहत को भी प्राथमिकता देती है और ग्राहकों को मालिक होने के बेहतरीन अनुभव मिलता है। कम से कम डाउनटाइम के साथ वाहन का अच्छी तरह से चलना ग्राहकों के व्यवसाय की सफलता के लिये महत्वपूर्ण है। इस बात को जल्दी समझते हुए, टाटा मोटर्स ने मध्य प्रदेश में एक विस्तृत सर्विस नेटवर्क स्थापित किया है। राज्य में उसके 151 सर्विस टचपॉइंट्स महत्वपूर्ण लोकेशंस पर स्थित हैं। इसके अलावा, स?टॉक से भरपूर डीलरशिप्स के जरिये असली स्पेयर पार्ट्स आसानी से मिल जाते हैं। बेहद कुशल तकनीशियन, जिन्हें कंपनी लगातार प्रशिक्षित करती है, टाटा मोटर्स की सेवा में उत्कृष्टता का आधार हैं। मालिक होने के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के लिये टाटा मोटर्स कई मूल्य-वर्द्धित सेवाओं की पेशकश करती है। इनमें अपटाइम की गारंटी, ऑन-साइट सर्विस, मैंटेनेन्स का वार्षिक अनुबंध और फ्लीट मैनेजमेंट सॉल?यूशंस शामिल हैं।

Dr Subir Jain Ji is Very Happy and proud to share memorable events at Kolkata.6 th July.....Invited guest faculty at AIIMS kalyani, kolkata to speak on Allergic Rhinitis. As an Invited National faculty at "ECHOES OF EXPERTISE" spoke on "Allergy Clinic " It was a very good event in Kolkata .

आंध्र प्रदेश में एक सीमेंट फैक्ट्री में विस्फोट, 16 लोग घायल

आंध्र प्रदेश- एनटीआर जिले में भयानक हादसा, जानिए क्या हुआ? आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में आज भयानक विस्फोट हो गया। इस हादसे में 16 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

हालांकि विस्फोट के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। जिला प्रशासन ने घटना की जांच के लिए एक टीम का गठन कर दिया है। विस्फोट के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि विस्फोट फैक्ट्री में काम कर रहे मशीनरी में खराबी के कारण हुआ होगा।

यह हादसा इलाके के लोगों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस तरह का हादसा पहले कभी नहीं हुआ था। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की गहन जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जस्टिन बीबर ने अनंत और राधिका के साथ की हंसी-ठहाके, तस्वीरें हो रहीं वायरल

गायक जस्टिन बीबर ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह की अंदर की तस्वीरें शेयर की हैं। रविवार को इंस्टाग्राम पर जस्टिन ने हाल ही में मुंबई की अपनी यात्रा से अंबानी परिवार के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। अंबानी संगीत में जस्टिन बीबर ने जावेद जाफ़री की बेटी को गले लगाया तो उनके देसी प्रशंसक ईर्ष्यालु हो गए।

जस्टिन ने अनंत, राधिका के संगीत की अंदर की तस्वीरें शेयर कीं

पहली तस्वीर में, तीनों ने कैमरे के सामने पोज देते हुए जिसमें जस्टिन ने अनंत और राधिका को पकड़ रखा था। प्रमुख पोशाकों के रूप में जस्टिन को सफेद बनियान, काली पैंट और मैचिंग कैप में देखा गया हैं वहीं अनंत अबानी लाल जैकेट, काली पैंट के साथ मेचिंग जूते पहने दिखाई दिये। राधिका ने संगीत के लिए काले रंग की पोशाक पहनी थी। अगली तस्वीर में जस्टिन, आकाश अंबानी के साथ सोफे पर बैठे आनन्द ले रहे हैं, जबकि अनंत और राधिका उनके सामने खड़े हैं। सभी मुस्कुराते और बातें करते हुए नज़र आ रहे हैं। स्टिन को शादि के इस कार्यक्रम के लिए 10 मिलियन डालर का भुगतान कर कार्यक्रम में प्रदर्शन के लिए बुला गया है। यह उनका भारत में पहली बार प्रदर्शन नहीं था। गायक आखिरी बार 2017 में अपने पहले संगीत कार्यक्रम के लिए देश आए थे। वहीं 2022 में अपने जस्टिस वर्ल्ड टूर के भारत शो के लिए वापस आना था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों के चलते भारत आने का कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा था।

अनंत और राधिका की शादी का जश्न महीनों तक चले प्री-वेडिंग उत्सवों के बाद, उद्योगपति वीरेन मर्चेंट की बेटी अनंत और राधिका आखिरकार 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंध जाएंगे। यह कार्यक्रम लगतार तीन दिनों तक चलेगा जिसमें अनेक सुपर स्टार को आमंत्रित किया गया है। समारोह 1 मार्च को गुजरात के जामनगर में शुरू हुआ। इससे पहले, रिहाना, कैटी पेरी, बैकस्ट्रीट बॉयज़ और इतालवी टेनर एंड्रिया बोसेली ने अनंत और राधिका के प्री-वेडिंग उत्सवों में प्रस्तुति दी थी।

श्रीलंका: सरकारी कर्मचारियों को झटका, इस साल वेतन में नहीं होगी एक और वृद्धि; विक्रमसिंघे ने साफ की स्थिति

कोलंबो एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों का इस कोई वेतन नहीं बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आगाह किया कि उचित योजना के बिना वेतन को बढ़ाने से राष्ट्रपति और आम चुनावों से पहले सरकार कमजोर हो सकती है। एक न्यूज पोर्टल के अनुसार, 75 वर्षीय विक्रमसिंघे राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। उन्होंने अर्थव्यवस्था को लेकर जारी तनाव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यक्रमों में बढ़े हुए लाभ और भत्ते प्रदान करने से अतिरिक्त धन की कमी हुई है।

अश्वसुमा कार्यक्रम पर बात की- विक्रमसिंघे ने श्रीलंका में 10,000 रुपये की वेतन वृद्धि और अश्वसुमा कार्यक्रम के तहत लागू किए गए अतिरिक्त लाभों पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने राजकोषीय जिम्मेदारी की आवश्यकता पर बल दिया तथा आगाह किया कि उचित योजना के बिना वेतन में और वृद्धि करने से सरकार कमजोर हो सकती है।

वेतन वृद्धि का रास्ता साफ हो जाएगा- विक्रमसिंघे ने आगामी चुनावों से पहले राष्ट्रीय स्थिरता को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने वेतन समायोजन की समीक्षा के लिए एक समिति के गठन का एलान किया। रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी सिफारिशों को 2025 के बजट में शामिल किया जाएगा, जिससे अगले साल संभावित वेतन वृद्धि का रास्ता साफ हो जाएगा।

लगातार सातवीं बार बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगीं निर्मला सीतारमण

पूर्व पीएम से भी निकल जाएंगीं आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश करने जा रही हैं। इस बजट से आम जनता, उद्योगपति और छात्रों को काफी उम्मीदें हैं। वैश्विक मंदी के संकेतों के बीच पेश होने वाले इस बजट में घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ रोजगार सृजन पर फोकस हो सकता है। राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए खर्च को कंट्रोल करने और टैक्स रेवेन्यू बढ़ाने के उपाय भी किए जा सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। आइए, यहां उन रिकॉर्ड के बारे में जानते हैं।

यह सीतारमण का लगातार सातवां बजट होगा। अब तक किसी भी वित्त मंत्री ने लगातार इतने बजट पेश नहीं किए हैं। इस मामले में वह मोरारजी देसाई के छह बजट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी। इससे पहले सीतारमण ने 2019 और 2024 के दो अंतरिम बजट और चार पूर्ण बजट पेश किए हैं।

पहली महिला वित्त मंत्री- निर्मला सीतारमण मई में तीसरी बार वित्त मंत्री बनने वाली पहली महिला भी बनीं। निर्मला सीतारमण 2019 में पहली महिला वित्त मंत्री बनी थीं। तब तक किसी भी महिला को वित्त मंत्री के रूप में स्वंत्रत रूप से यह पद नहीं मिला था। निर्मला सीतारमण पहली महिला रक्षा मंत्री भी रहीं, जिन्होंने लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। 2020 में निर्मला सीतारमण ने सबसे लंबा बजट भाषण दिया था, जो दो घंटे चालीस मिनट तक चला था। उस बजट में एलआइसी आईपीओ और नए इनकम टैक्स स्लैब की घोषणा की गई थी। 2019 में भी उनका भाषण दो घंटे सत्रह मिनट लंबा था।पहला डिजिटल बजट

2021 में निर्मला सीतारमण पहली वित्त मंत्री बनी जिन्होंने कागजों की जगह टैबलेट का इस्तेमाल करके डिजिटल तरीके से बजट पेश किया। बजट पूरी तरह से डिजिटल फॉर्मेट में पेश किया गया था, जिसमें भाषण और दस्तावेज दोनों पेपरलेस थे। निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण देने के लिए मेड इन इंडिया टैबलेट का इस्तेमाल किया था। 2019 में सीतारमण ने बजट दस्तावेजों के लिए पारंपरिक ब्रीफकेस की जगह लाल बही खाता का इस्तेमाल किया था। ब्रिटिश युग की ब्रीफकेस परंपरा को तोड़ते हुए उन्होंने ऐसा किया था। लाल रंग से ढंका बही-खाता भारतीय परंपरा का प्रतीक था। लाल रंग के कपड़े को आमतौर पर धार्मिक ग्रंथों को ढंकने के लिए उपयोग किया जाता है। इसने उस साल के बजट में सांस्कृतिक प्रतीक जोड़ा था।

इस हफ्ते 4 कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते निवेशकों को कई कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका मिलेगा। इन कंपनियों में अम्बे लैबोरेटरीज, गणेश ग्रीन आदि है। आइए एक-एक करके इनके विषय में जानते हैं- यह आईपीओ 4 जुलाई को खुल गया था। निवेशकों के पास 8 जुलाई यानी कल तक का मौका इसे सब्सक्राइब करने के लिए रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 65 रुपये से 68 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 2000 शेयरों का बनाया गया है। कंपनी में एंकर निवेशकों ने भी दांव लगाया था। वहां से कंपनी को 12.73 करोड़ रुपये मिले थे।

यह आईपीओ 5 जुलाई को खुला था। इस सप्ताह निवेशकों को 9 जुलाई तक दांव लगाने का मौका रहेगा। कंपनी ने 181 रुपये से 190 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। लॉट साइज की बात करें तो यह 600 शेयरों का है। ग्रे मार्केट में इस कंपनी की स्थिति शानदार नजर आ रही है। रविवार को जीएमपी 220 रुपये था। यह आईपीओ भी 5 जुलाई को खुला था। कंपनी के आईपीओ का साइज 51.27 करोड़ रुपये का है। निवेशकों के पास 9 जुलाई तक का मौका दांव लगाने के लिए रहेगा। प्राइस बैंड की बात करें तो यह 78 रुपये से 82 रुपये प्रति शेयर है। बता दें, कंपनी 95 रुपये के प्रीमियम पर ग्रे मार्केट में ट्रेड कर रही है।

बजाज ने पेश की दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकिल, एक गेमचेंजर बजाज फ्रीडम!

पुणे, एजेंसी। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर कंपनी बजाज ऑटो ने गर्व से दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकिल फ्रीडम के लॉन्च की घोषणा की है! यह ग्राउंडब्रेकिंग इनोवेशन कन्वेंशनल पेट्रोल मोटरसाइकिलों के बदले एक सस्ता और इन्वॉयरनमेंट-फ्रेंडली ऑप्शन प्रदान करके टू-व्हीलर इंडस्ट्री में क्रांति ला देगा। फ्यूल कंज़म्पशन में बेजोड़ बचत के साथ बेहतर जीवन जीने की फ्रीडम- बजाज फ्रीडम सीएनजी मोटरसाइकिल समान पेट्रोल मोटरसाइकिलों की तुलना में फ्यूल कंज़म्पशन को काफी कम करके खर्चे में 950 प्रतिशत की कमी करती है। सीएनजी टैंक केवल 2 किलो सीएनजी फ्यूल पर 200 + किमी की रेंज़ प्रदान करता है। इसके अलावा, इसमें 2-लीटर का पेट्रोल टैंक है जिससे सीएनजी टैंक के खाली हो जाने पर भी बिना किसी रुकावट के 130 किमी से अधिक की रेंज़ की दूरी आराम से तय की जा सकती है।

कंफ़र्ट, सेफ़्टी और आरामदायक फ़ीचर्स- कारों की तुलना में मोटरसाइकिल का आकार कॉम्पैक्ट होने के कारण सीएनजी मोटरसाइकिल बनाना एक चुनौती है। बजाज फ्रीडम सीएनजी मोटरसाइकिल में एक इंटीग्रेटेड सीएनजी टैंक और किट है, जिसे एक ट्रेलिस फ्रेम में सुरक्षित रूप से फिट किया गया है। कठोर टेस्टिंग से इसकी सुरक्षा पक्की की गई। हॉरिजोंटली इनक्लाइन्ड इंजन और लिंक-मोनो शॉक सिस्टम से जगह ऑप्टिमाइज होती है और स्थिर राइड मिलती है। इस डिजाइन में 825द्वद्व की सैडल हाइट है और ईजी ग्राउंड कॉन्टैक्ट के लिए मिडिल सेक्शन स्लिम है। सीएनजी टैंक होने के बावजूद स्मार्ट वेट-सेविंग उपायों से पेट्रोल मोटरसाइकिल जैसी ही सेंटर ऑफ ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण केंद्र) बनाए रखा गया है, जिससे न्यूट्रल हैंडलिंग और राइडर कॉन्फिडेंस सुनिश्चित होता है।

महिला को बेचने के झूठे आरोप के सभी आरोपी दोष मुक्त

विवरण - दिनांक- 07.02.2018 को शिकायतकर्ता विवेक पवार द्वारा थाना गौतम नगर भोपाल उपस्थित होकर अपनी पत्नी आरती पवार को गुमशुदा की रिपोर्ट लिखाई गई थी कि उसकी पत्नी आशा मौसी के घर जाने का बोलकर गई थी एवं घर वापस नहीं आई है पुलिस द्वारा गुमशुदा इंसान पंजीबद्ध कर उसकी जांच की गई जांच में यह पाया गया की आशा एवं मुकेश एवं उनके अन्य पांच सहयोगी द्वारा गुमशुदा आरती पवार को धोखे से बुलाकर उसे राजस्थान में बेच दिया गया था एवं मानव दुर्व्यपार से मिली राशि को आपस में बांट लिया गया पुलिस द्वारा मामला पंजीबद्ध कर सभी आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया एवं भारतीय दंड संहिता की धारा 370 एवं 120-B के अंतर्गत चालान न्यायालय में पेश किया गया जिसका विचारण दशम अपर सत्र न्यायाधीश महोदय (श्रीमती पल्लवी द्विवेदी) द्वारा किया गया है एवं दिनांक 05.07.2024 को अपने निर्णय में आरोपी आशा एवं मुकेश व अन्य चार आरोपीगण को साक्ष्य के अभाव एवं संदेह का लाभ देकर दोष मुक्त कर दिया गया आरोपी आशा एवं मुकेश की ओर से उनकी पैरवी अधिवक्ता मुईन कुरैशी द्वारा की गई थी।

मुईन कुरैशी अधिवक्ता

M.: 9826222939, 9424490832
E-mail : mueeeen@gmail.com

अखिल भारतीय वाल्मिकी महासभा वाल्मिकी पेंशनर समाज की बैठक

छिंदवाड़ा। अखिल भारतीय वाल्मिकी महासभा वाल्मिकी पेंशनर समाज की बैठक रविवार को लघुवेतन वेतन कर्मचारी संघ कार्यालय में आयोजित की गयी। बैठक में वाल्मिकी भवन निर्माण हेतु जमीन आवंटन एवं वाल्मिकी समाज की भलाई एवं उन्नति तथा सामाजि, शैक्षणिक, राजनैतिक व आर्थिक उत्थान तथा सम्वैधानिक उपायो से वाल्मिकी समाज का सार्वोगिण विकास के लिए बैठक में विषेष निर्णय लेते हुए अखिल भारतीय वाल्मिकी महासभा वाल्मिकी पेंषनर समाज के जिला शाखा छिंदवाड़ा की कार्यकारणी गठित की गयी। जिसमें मुख्य रूप से जिला शाखा अध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, संयुक्त सचिव, एवं संगठन सचिव, कार्यकारिणी में शामिल है। बैठक में उपस्थित जगदीश झांझोट, प्रकाश मेहरोलिया, कैलाश पथरोल, नरेन्द्र लाहोरी, कैलाश धारू, गुरूदयाल चौहान, कैलाश कटारिया, रमेश सारवान, किशोर राजोरिया, रमेश धौलपुरी, दिनेश पुरी एवं अशोक कुमार झा मुख्य रूप से उपस्थित थें।

अवैध रेत का उत्खनन जारी

छिंदवाड़ा/सांवरी बाजार। भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी माईनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश में वर्षा ऋतु के लिए मानसून सत्र की अवधि 15 जून से 30अक्टुबर तक कलेक्टर को जारी किया गया है क्षेत्र में अवैध रेत का उत्खनन जोरो से चल रहा है प्रशासन की नाक पर छुरी रखकर ठेकेदार लोग अभी भी रेत नदी से निकाल रहे हैं शाम ढलते ही कुछ ट्रैक्टर लेकर नदी के तट पर पहुंच जाते हैं और रात और रात रेत निकाल कर सुबह-सुबह जगह पर रेत छोड़ी जाती हैं मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा 30 जून को नदी नाले में ट्रैक्टर ना ले जाने का चेतावनी लागू कर दिया गया है और फिर यह जानकारी सभी लोगों को मालूम रहने के बावजूद भी मुख्यमंत्री यादव के नियमों की धज्जियां उड़ाते ठेकेदार के साथ-साथ कर्मचारी भी शामिल है शनिवार दोपहर 2ः00 बजे के आसपास मेहलारी पीपलगांव होते हुए कान्हान नदी में ट्रैक्टर लेकर कुछ ट्रेक्टर नर्सरी के पीछे नदी से रेत निकाली गई । फॉरेस्ट व पुलिस को इस बात की जानकारी रहने के बावजूद भी पुलिस कोई भी कार्यवाही नहीं कर रही है फारेस्ट पुलिस को अपने जेब की फिक्र रहती है।

दीपक सक्सेना ने कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना ने रविवार को भाजपा मंडल सिंगोड़ी के ग्राम गुरैया, मेहंदवाड़ा, खकरा चौरई, में बैठक आयोजित कर लोक सभा चुनाव में भाजपा के स्थानीय प्रत्यासी बंटी विवेक साहू को प्रचंड मतों से जिताने के लिये कार्यकर्ताओ एवं मतदाताओं का पुष्पवर्सा कर भाजपा की ओर से आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद दिया। पूर्व मंत्री श्री सक्सेना ने कहा कि भाजपा की सरकार गरीब कल्याणकारी हर योजना का लाभ आप लोगो तक पहुँचाने के लिये प्रतिबद्ध है श्री सक्सेना ने सभा मे उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओ से कहा कि अमरवाड़ा उप चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिये आप लोग अपने अपने बूथ विजय दिलाने के लिए जुट जाए। आप के गांव के विकास की गेरेन्टी भाजपा लेती है।श्री सक्सेना ने ग्राम बड़ेगांव एवं सिंगोड़ी में सभा को सम्बोधित किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगो ने भाजपा की जॉइन की।ग्राम रजोला में मुस्लिम समाज के द्वारा आयोजित बैठक में शामिल हुए एवं भाजपा के प्रत्यासी कमलेश साह के पक्ष में वोट देने के लिए लोगो से निवेदन किया।

रीजनल इन्डस्ट्री कॉन्क्लेव के सम्बंध में जिले के उद्योगपतियों व उद्योग संघों की बैठक

छिन्दवाड़ा। जबलपुर में 20 जुलाई 2024 को आयोजित होने वाली रीजनल इन्डस्ट्री कॉन्क्लेव के सम्बंध में जिले के उद्योगपतियों व उद्योग संघों की बैठक कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गत दिवस कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में नगर निगम कमिश्नर श्री सी.पी.राय, उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, उप संचालक उद्यानिकी, महाप्रबंधक उद्योग व लघु उद्योग भारती संघ के अध्यक्ष तथा जिले के उद्योगपति उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कॉन्क्लेव में जिले से अधिक से अधिक उद्यमियों को उपस्थित होने के लिये रजिस्ट्रेशन करने की सलाह दी । उन्होंने महाप्रबंधक उद्योग को अपने प्रबंधक/सहायक प्रबंधकों को लक्ष्य देकर 500 उद्योगपतियों का रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए । कलेक्टर श्री सिंह ने उपस्थित उद्योगपतियों से आग्रह किया कि जो निवेश के इच्छुक हैं, वे अपने प्रस्ताव दें ताकि चर्चा कर उन्हें जोड़ा जा सके । उन्होंने जिले के विकास के लिये सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर कार्यवाही करने की सलाह दी तथा सभी उद्यमियों को आश्वस्त किया कि आपकी समस्याओं को सुलझाने के लिये पूर्ण प्रयास किये जायेंगे ।

तीन बाईकों की टक्कर तीन घायल

अमरवाड़ा। छिंदवाड़ा रोड में तीन बाइकों की टक्कर होने से तीन लोग घायल हो गए जानकारी के अनुसार तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक बाइक चलाने की वजह से और रोड क्रॉसिंग के समय तीन बाईकों की टक्कर हो गई इस वजह से तीनों बाइक सवार घायल हो गए मौके पर आसपास के लोगों ने उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है।

नगर भ्रमण पर निकले जगत के नाथ ...

पुरी के नंदीघोष रथ सा दमका छिंदवाड़ा का रथ

वर्धमान सिटी पर फिर वाहन में सवार हो छोटी बाजार पहुँचे भगवान जगन्नाथ

छिंदवाड़ा। शिव तांडव ग्रुप में सोनाखार के 50 कलाकारों ने आकर महा आरती में भाग लिया और अपना विशेष शिव तांडव स्त्रोत प्रस्तुत किया। पंडित स्पंदन विजय आनन्द दुबे ने बताया कि इस वर्ष की विशेषता यह भी रही कि भगवान जगन्नाथ बलभद्र जी और सुभद्रा जी के साथ-साथ श्री नारायण देव और भूदेवी तथा श्रीदेवी की रंगनाथपुरम तमिलनाडु से आई हुई कहां से प्रतिमाओं को नगर भवन कराया गया और उनकी चल प्रतिष्ठा करने के लिए विशेष तौर पर द्वारका से आचार्य पंडित विजेंद्र शास्त्री उन्होंने उसका न्यास किया। इस अवसर पर पंडित श्रीराम दुबे उपस्थित रहे। पूरे मार्ग में भक्तों ने बड़े भक्ति भाव के साथ धार्मिक भजनों पर आधारित हर्षोल्लास साथ में नृत्य प्रस्तुतिया दी। लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचे इसके बाद वहां पर मंगल आरती होने के प्रांत रात्रि में भगवान की महारथी शिव तांडव स्त्रोत और महा प्रसाद का वितरण किया गया। शिरिन विजयआनंद दुबे ने बताया कि श्री विजय आनंद दुबे के निवास से निकलकर वर्धमान सिटी के गेट तक रथ में भगवान ने भ्रमण किया उसके बाद वाहन में बैठा कर श्री स्थान छोटा बाजार लाया गया इसके बाद यहां पर 2 घंटे का विश्राम लेकर आरती करने के पश्चात रथ यात्रा के रूट पर वाहन से ही भ्रमण करवा कर उन्हें वर्धमान सिटी के द्वार तक ले जाया गया फिर वर्धमान सिटी के द्वार से रथ पर बैठा कर वर्धमान ईश्वर मंदिर में भगवान की महाआरती की गई अंततः निज निवास पर प्रभु श्री का आगमन हुआ। श्री राजेन्द्र आचार्य ने बताया कि भक्ति गंगा परिवार के सदस्य मौजूद रहे तथा सभी भक्तजनों के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई।

राधा कृष्ण एवं नट नटी का नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

सीमित लोगों के बीच किया गए इस आयोजन में तब चार चांद लग गए जब छिंदवाड़ा और सिवनी से आए हुए झांकी प्रमोटर विकास मालवी और चंचल यादव ने राधा कृष्ण युगल, मनीष दास, अतुल शर्मा ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति सर्वप्रथम वर्धमान सिटी स्थित पं. विजय आनंद दुबे के निवास में जगन्नाथ मंदिर में हुई तत्पश्चात छोटा बाजार में श्री दर्शन के दौरान दूसरी प्रस्तुति हुई और अंत में महा आरती के दौरान वर्धमान सिटी के परिसर में हुई।

युवाओं एवं नारी शक्ति की टोली ने संभाली यात्रा की बागडोर

रथ यात्रा से जुड़े हुए पदाधिकारियों के बारे में श्रीमती कुमुद दुबे, निधि दुबे, प्रवीण शुक्ला, अरुणा आचार्य, सरोज पांडे, वीणा दुबे, पदमा भार्गव, ने बताया कि इस यात्रा के दौरान रथ यात्रा से जुड़ी हुई समस्त व्यवस्थाओं को रथ यात्रा समिति से जुड़ी हुई युवाओं की टोली ने संभाला इसमें रवि प्रकाश शुक्ला, विनय शर्मा, पंकेश बगमार, दिशा दुबे, शशांक दुबे, पंकज विश्वकर्मा, देवेश कोल्हेकर , अतुल विश्वकर्मा, हिमांशु भार्गव, दिवस दुबे, प्रतीक दुबे, बलराम उइके, शिवसिंग डेहरिया, विभूति शुक्ला, आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बटकाखापा और अमरवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी समर्थन में करेंगे जनसभा

छिंदवाड़ा। विधानसभा उप चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बटकाखापा एवं अमरवाड़ा नगर में जनसभा करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री विस अमरवाड़ा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी कमलेश प्रताप शाह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विस अमरवाड़ा उप चुनाव में भाजपा प्रत्यशी कमलेश प्रताप शाह के पक्ष में बटकाखापा एवं अमरवाड़ा नगर में जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगमन 8 जुलाई दिन सोमवार सुबह 10.50 बजे बटकाखापा हैलीपेड पर होगा, जहां आयोजित जनसभा उपरांत दोपहर 1 बजे अमरवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 1.20 बजे मुख्यमंत्री का अमरवाड़ा हैलीपैड पर आगमन होगा। जिसके उपरांत मुख्यमंत्री भाजपा प्रत्याशी श्री कमलेश प्रताप शाह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा उपरांत मुख्यमंत्री नागपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

जन अभियान परिषद प्रस्फुटन समिति ने किया पौधारोपण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जिले में 01 से 15 जुलाई तक एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सीआईआई कैम्पस छिंदवाड़ा में गत दिवस जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन की उपस्थिति में पौधारोपण का कार्य किया गया। इसमें नगर विकास प्रस्फुटन समिति नोनिया करबल और जन सेवा हिताय समिति की प्रमुख श्रीमती हर्षा बनोदे ने बताया कि पेड़ लगाओ व मौसम को बनाओ अपने अनुकूल, तभी मिलेगी ऑक्सीजन और खाने को फल-फूल। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जैन ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि छिंदवाड़ा जिले के प्रत्येक ग्राम, नगर में इस अभियान को चलाया जा रहा है। जिसमें सभी जगह गड्ढे सहित पौधे उपलब्ध मिलेंगे। जिसको अपनी मां की याद में पौधारोपण करना हो वह संपर्क कर सकते हैं। यह अभियान 15 जुलाई तक चलाया जा रहा है। सीआईआई कैम्पस छिंदवाड़ा में 21 पौधों का रोपण किया गया, जिसमें उपस्थित कथावाचक श्री राकेशानंद महाराज, संरक्षक श्री शंकर निमजे, डॉ.राम आमगोरिया, श्री अखली सूर्यवंशी, श्रीमती लक्ष्मी निमजे, सुश्री अरुणा पवार, सुश्री माधुरी तोमर, सुश्री रूपा प्रधान, सुश्री प्रदिक्षा बड़खाने, जनसंख्या समाधान फाउंडेशन से सुश्री वन्दना विश्वकर्मा, सुश्री रानी सूर्यवंशी एवं सीआईआई ट्रेनिंग सेंटर का स्टाफ उपस्थित था।

कमलेश शाह को विधायक बनाकर क्षेत्र के विकास में अपना योगदान दें: बंटी विवेक साहू

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने भाजपा प्रत्याषी को जीत दिलाने के लिए पूरी ताकत झौंक दी हैं सांसद व्दारा गांव गांव सघन जनसम्पर्क कर, नुक्कड़ सभाएं ली गई। रविवार को ग्राम सौंधनी, केवलारी, नवलपुर, मोहोरिया, सियाझिरी, बोरिया, बड़सलैया सहित विभिन्न ग्रामों में सभा को संबोधित करते हुए श्री बंटी विवेक साहू जी ने कहा कि आपके आशीर्वाद और सहयोग से छिंदवाड़ा में इतिहास रचा हैं। अब विकास की जिम्मेदारी हमारी हैं पिछ्लें कई सालों से अमरवाड़ा का विकास का काम रूका हुआ हैं कांग्रेस के रहते कभी नहीं हुआ। अब अमरवाड़ा के लोंग यहां की परिपाटी बदलेंगे और भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह को जीत दिलायेंगे। जिससें तेजी से विकास होगा। बंटी विवेक साहू ने कहा कि कमलनाथ को छिंदवाड़ा की जनता से कोई लेना देना नहीं है उन्होंने 45 वर्षो से छिन्दवाड़ा में राज किया लेकिन आदिवासी क्षेत्रों के कई गांव नहीं गए। पर आपका बेटा और भाई सांसद बना है विकास के लिये अपने हक से कभी भी मुझसे मिल सकते है। उन्होंने गांव गांव में जनसम्पर्क करते हुए गारंटी देते हुए कहा की अमरवाडा के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोडेगें। कार्यक्रम में भाजपा नेता अजय चौरे, मनोज नेमा, अषोक मसराम एव अन्य भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता और आम जनता उपस्थित थी।

राजा कमलेश प्रताप के पक्ष में किया प्रचार

जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने सघन जनसंपर्क करते हुए विधानसभा अमरवाड़ा के भाजपा प्रत्याशी राजा कमलेश प्रताप शाह के पक्ष में चुनाव प्रचार किया एवं क्षेत्र के विकास हेतु भाजपा को प्रचंड मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया। विधानसभा अमरवाड़ा चुनाव प्रचार के क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने अमरवाड़ा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम छूई, पौनार, लखनवाड़ा, ढाडा, जुन्गावाड़ा, दुलारा एवं ग्राम जिकड़ी टोला में ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ जनता को बताएं।

हास्य आसान सिंहासन एवं योग से संबंधित जानकारी दी

छिंदवाड़ा। पतंजलि योग केंद्र अमरवाड़ा के तत्वाधान में नगर की शैक्षणिक संस्था आदर्श शिवोम विद्या मंदिर में सात दिवसीय योग शिविर का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें पतंजलि योग समिति के अध्यक्ष पंडित धन कुमार जैन वरिष्ठ योग प्रशिक्षक दादूराम जंघेला द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया, विगत 7 दिनों से योग प्रशिक्षक राजेश तिवारी, संदीप सोनी, तनय राय द्वारा स्कूल की विद्यार्थियों को प्राणायाम सूर्य नमस्कार योग जॉगिंग, सूक्ष्म व्यायाम, एवं योग की गतिविधियों के साथ-साथ नैतिक शिक्षा प्रदान की गई, इसी कार्यक्रम में जागृति योग केंद्र से ममता तिवारी एवं गौरव मरावी ने उपस्थिति प्रदान की और बच्चों को हास्य आसान सिंहासन एवं योग से संबंधित जानकारी दी ,आदरणीय जंघेला दादा जी द्वारा एक्यूप्रेशर पॉइंट से संबंधित विशेष जानकारी बच्चों को प्रदान की गई सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर उत्साह के साथ इस योग शिविर में भाग लिया अंत में कार्यक्रम का समापन एवं आभार प्रदर्शन संस्था के संचालक विनोद सनोदिया द्वारा किया गया, संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन योग प्रशिक्षक मेंटर राजेश तिवारी एवं संदीप सोनी द्वारा किया गया, पतंजलि योग केंद्र निरंतर विद्यार्थियों के लिए नगर में योग शिविर आयोजित करते आ रहा है, शीघ्र ही आगामी शिविर विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाएगा विद्यार्थियों और अभिभावक की विशेष उपस्थिति और उत्साह इस शिविर में देखने को मिला।

गुरु रविदास जी के विचारों पर चलकर समाज में व्याप्त बुराइयों को छोड़ना होगा: दिलीप अहिरवार

छिंदवाड़ा। गुरु रविदास धाम खिरकापुरा, वार्ड नंबर 23 छिंदवाड़ा में रविदास समाज की बैठक रखी गई बैठक में विशेष अतिथि के रूप मे राज्य शासन वन पर्यावरण मंत्री दिलीप अहिरवार उपस्थित हुए समाज के सभी लोगो ने उनका पुष्प माला से स्वागत किया दिलीप अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा की हमारे समाज के निम्न तपके के लोगो आगे बढ़ाने के लिए हमें एक साथ सहयोग करना होगा गुरु रविदास जी के विचारों पर चलना होगा समाज मे व्याप्त बुराइयों को छोड़ना होगा। समाज के वरिष्ठ जन ने भी अपने विचार रखे गए उसके पश्चात प्रतेक रविवार की तरह इस बार बी गुरु रविदास जी की बिशेष आरती एवं अरदास की गई मिठाई परसादि वितरित किया गया गुरु रविदास जी के जयकारो के साथ बैठक का समापन किया गया।

बैठक में रविदास समाज के जिला अध्यक्ष श्याम डोले, कार्यवाहक अध्यक्ष अशोक बिंझाड़ेकर महिला अध्यक्ष सोनम अहिरवार, युवा अध्यक्ष शिवप्रकाश मंडराहा, पूर्व अध्यक्ष कमता प्रसाद अहिरवार, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार अहिरवार पूर्व अध्यक्ष अरुण चोखे पूर्व अध्यक्ष विक्रांत अहिरवार पार्षद जगदीश गोदरे पूर्व पार्षद एवं सभापति मनोज चौरे राजकुमार गोनेकर, एस. पी. सिवतिया देवी प्रसाद झाडाने, राजेश डोले नीरज अहिरवार अजय बघेल संतोष रविकर, दुर्गा पीपले संध्या बिंझाड़ेकर, धनराज वर्मा विनोद छिपने, संजय डोले रामकिशन पहाड़े जितेंद्र पिपले एवं अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान...
आई.टी.आई. में कर्मचारियों व प्रशिक्षणार्थियों ने किया पौधारोपण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जिले में 01 से 15 जुलाई तक एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शासकीय आई.टी.आई.छिन्दवाडा में पौधारोपरण किया गया। शासकीय आई.टी.आई. छिन्दवाडा के प्लेसमेंट अधिकारी ने बताया कि शासकीय आई.टी.आई. छिन्दवाडा में आज संस्था के आई.एम.सी. अध्यक्ष श्री राजेश जुनेजा के जन्मदिन पर प्राचार्य सी.बी.उईके व संस्था के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत संस्था प्रांगण पर 50 फलदार एवं छायादार पौधे लगाये। पौधारोपण के बाद प्राचार्य सहित उपस्थित अधिकारीयों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने लगाये गए पौधों के शत-प्रतिशत संरक्षण एवं हर वर्ष अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिये शपथ ली ।

मां के नाम एक पौधा लगाए

ग्राम पंचायत उभेगांव गांव में मध्य प्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के मास्टर ट्रेनर एवं जैव विविधता दूत मोहन साहू ने ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती सुनीता सुनील डेहरिया को एक फलदार पौधा भेंट किया और ग्रामीणों से को बताया कि सभी ग्रामवासी कम से कम एक फलदार पौधा मां के नाम अनिवार्य रूप से लगाए एवं उसका संरक्षण करें जिससे आने वाली पीढ़ी को इसका लाभ मिलेगा तथा हमारे गांव में हरियाली एवं शुद्ध जलवायु मिलेगी। सरपंच श्रीमती सुनीता सुनील डेहरिया एवं ग्रामीण जनों ने एक फलदार पौधा मां के नाम रोपण कर पौधारोपण की शुरुआत की ग्राम पंचायत सचिव मोहन डेहरिया ने बताया कि हमारे गांव में जाम गुलमोहर, जामुन, नीम कटहल, नींबू, आंवाला,

पीपल प्रजाति के पौधे किसानों के खेत तथा ग्राम रोड के दोनों तरफ पहाड़ी पर कम से कम 2000 पौधे लगाए जा रहे हैं इस पौधारोपण में राम कुमार महोबे सहायक सचिव मेट शेषराव डेहरिया, आनंद साहू श्रीमती आरती ठाकरे श्रीमती वैशाली भावरकर, यशवंत , पंकज साहू, पारस पटेल नेपाली, राकेश तिलक, राजू, लेखराम, प्रदीप इन सभी लोग ने पर्यावरण में वृक्षारोपण कर अपना योगदान दे रहे हैं ग्रामीणों के द्वारा के द्वारा एक पेड़ मां के नाम लगाकर छायाचित्र वायु दूत अंकुर एप में अपलोड किया भी गया।

अभी तक 255.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 255.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 313 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 07 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 23.1 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 07 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में 13.4, मोहखेड़ में 128, चौरई में 16.2, बिछुआ में 11.8, परासिया में 4.3, जुन्नारदेव में 3.2, चांद में 72 और उमरेठ में 6.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

पनिया कुआं ने दिखाई राह, जबलपुर में 500 साल पुरानी बावड़ियां बन गई जल मंदिर, जानिए कैसे हुए यह करिश्मा

जबलपुर में गोंडवाना काल में 52 ताल और बावड़ियां थीं लेकिन धीरे-धीरे इन बावड़ियों और तालाबों पर कब्जे हो गए और इनका अस्तित्व खत्म हो गया.

जबलपुर 7 500 साल पुरानी और भव्य बाबड़ियां जिनसे मध्यप्रदेश की संस्कारधानी के नाम से मशहूर जबलपुर की प्यास बुझती थी, लेकिन अतिक्रमण और कचरे की वजह से इनके नामो निशां मिट गए. बदबू की वजह से लोग नाक-भौं सिकोड़ कर इन्हें कचरा घर मान यहां से चले जाते. सिर्फ अड़ोस-पड़ोस के लोगों को ही पता था कि यहां कभी बाबड़ियां थी.

जबलपुर से सांसद रहे और वर्तमान में पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को इसकी जानकारी पता लगी तो उन्होंने सफाई अभियान चलाया. जनता को श्रमदान के लिए प्रेरित कर बाबड़ियों में उतरे. सीवेज रूपी दलदल को हाथों से बाहर निकाला. कई दिनों तक राकेश सिंह और लोगों ने श्रमदान कर सफाई की. फिर मोदी सरकार की स्मार्ट सिटी मिशन योजना से पुनरुद्धार किया गया. अब यह बाबड़ियां टूरिज्म प्लेस बन चुकी हैं. गर्मियों में सुबह-शाम को यहां शहरवासी तफरीह करने आ रहे हैं. बाबड़ियां पानी से लबालब है. पानी इतना साफ है कि जलीय जीवन फिर से पनपने लगी है. मंत्री राकेश सिंह का जलसंरक्षण का यह पहला काम नहीं था, बल्कि जब वे पहली बार 2004 में सांसद बने थे तब से ही प्रयास कर रहे हैं. और इसकी प्रेरणा है पनिया कुआंज

पनिया कुआं ने ऐसे दिखाई राहः अमूमन कोई सांसद या जनप्रतिनिधि लोगों की समस्याएं सुलझाता है. सड़क, नाली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव के बाद बाबड़ियों का नाम जल मंदिर रखा

बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई व पेयजल आदि पर काम करता है. लेकिन पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने इन सभी कामों के साथ ही कुएं, बाबड़ियों और तालाबों आदि को बचाने और उन्हें फिर से संवारने की मुहिम में भी लगे रहते हैं. राकेश सिंह अपने बचपन के एक किस्से को इसकी वजह बताते हैं. उनके मुताबिक बाल अवस्था में वे रहली में मौसी के घर जाते थे. वहां एक ऐसा कुआं था जो पूरे गांव की प्यास बुझाता था. इसी वजह से इसे लोग पनिया कुआं बोलते थे. वक्त के इसमें पानी कम हो गया. साल 2004-05 में राकेश सिंह पहली बार सांसद बने तो इस गांव में गए. उन्हें पनिया कुआं कचरे से पटा मिला. सिंह कहते हैं कि गांव वालों को भी कुएं की चिंता नहीं थी. पर मेरे अंदर उथल-पुथल मच गई. ऐसे में मैंने तय किया कि लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करूंगा. तब से कुएं, बाबड़ी और तालाबों का जीर्णोद्धार ही जीवन का मकसद बन गया.

जलरक्षा यात्रा से झुलस गया था चेहरा, पर था सुकूनः राकेश सिंह बताते हैं सांसद बनने के बाद जबलपुर में एक संग्राम शाह तालाब का जीर्णाद्धार कराया. पुराने गजेटियर में इसे जबलपुर का एयरकंडीशनर कहा गया है. लेकिन 2005-06 में यह तालाब कचरे से पट गया था. लोगों का साथ लेकर इसे संवार दिया. इसी तरह संसदीय क्षेत्र में कई काम हुए. फिर, लोगों में जल और जलस्रोतों को सहेजने की भावना जाग्रत करने के लिए जल रक्षा यात्रा निकाली. गर्मियों में पूरे संसदीय क्षेत्र की पैदल यात्रा की. झुलसा देने वाली गर्मियों में रोजना 20 से 25 किमी पैदल चलकर लोगों को पानी की महत्ता बताई. इस दौरान गांवों में पूराने कुंओं और तालाबों को साफ करवाया. नए तालाब बनवाए. जब यात्रा खत्म हुई तो तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा ङ्क आपका तो पूरा चेहरा झुलस गया है. लेकिन मुझे संतोष था कि इतने सारे जल स्रोतों का पुर्नजीवित कर पाया. इन प्रयासों से कई जगह वाटर लेवल बढ़ा और सिंचाई में भी वृद्धि हुई.

जीर्णोद्धार का काम 500 साल पुराने पैटर्न पर किया गया.: जबलपुर में गोंडवाना काल में 52 ताल और बावड़ियां थीं लेकिन धीरे-धीरे इन बावड़ियों और तालाबों पर कब्जे हो गए और इनका अस्तित्व खत्म हो गया. इन्हीं में से एक रानीताल के उजार पुरवा बावड़ी और दूसरी गढ़ा में राधा कृष्ण मंदिर के पास है. मंत्री राकेश सिंह बताते हैं कि जब बाबड़ियों में सफाई के उतरे तो 35 फीट तक कचरा भरा हुआ था. सफाई करना भी कम खतरनाक नहीं था. काई और कीचड़ से भरी सीढ़ियों पर लोगों ने कतारबद्ध होकर तगाड़ियों से कचरा बाहर निकाला. इस दौरान पूरी सावधानी बरती कि बाबड़ियों का मूल स्ट्रक्चर को नुकसान न पहुंचे. इसके बाद स्मार्ट सिटी मिशन से इनके टूटे-फूटे हिस्सों की मरम्मत की गई. इसके लिए सीमेंट की बजाए पूराने तरीके यानी चूना, उड़द दाल आदि से बने मसाले का प्रयोग किया गया.

मंत्री सिंह बताते हैं कि जबलपुर की बावड़ियों के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी चर्चा की थी और प्रधानमंत्री के कहने पर ही उन्होंने इन बावड़ियों का नाम जल मंदिर किया है. खुद मोदी ने भी इस काम के लिए सिंह की तारीफ करते हुए ट्वीट किया था. तीन महीने पहले 11 मार्च को इन बाबड़ियों का लोकार्पण किया गया था. इन बाबड़ियों को देखने जल संरक्षण के लिए ख्यात और पद्मश्री महेश शर्मा समेत कई आईआईटीयन भी आ चुके हैं. रहवासी सुनील सिंह बताते हैं कि हम जब टूटी-फूटी इस बाबड़ी को देखते तो यह हमें खंडहर और कचरा घर जैसी लगती थी. अब देखते हैं तो इसकी भव्यता हमें रानी दुर्गावती के अव्वल दर्जे के आर्किटेक्ट का अहसास कराती है.

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को विधायक श्री रामनिवास रावत के मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री बनने के पश्चात् प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिष्ठान खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

मरे हुए कर्मचारी को सैलरी मामले में नपेंगे बड़े अधिकारी

भोपाल। भोपाल नगर निगम में मरे हुए सफाई कर्मचारी की की मौत के बाद भी उनकी सैलरी निकाले जाने का मामला गहरा गया है। इसकी जांच में निगम के बड़े अधिकारी भी नपेंगे जिनकी शह पर इसको पहले स्तर ही नहीं रोका गया। गौर तलब है कि निगम परिषद की बैठक में यह मामला सामने आया था। उस समय परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने जांच के आदेश दिए थे।

क्या है मामला

जब वार्ड-35 की पार्षद शिरीन खान ने निगम में काम कर रहे सभी पदस्थ कर्मचारियों के कामों की जानकारी ली जारी थी। इस दौरान हैरान करने वाला खुलासा सामने आया। इस वार्ड सुपरवाइजर जसवंत की मौत होने के बावजूद उसकी सैलरी निकाली जा रही है। यह भ्रष्टाचार का बड़ा मुद्दा है। हैरानी की बात तो यह है कि इस मामले में वार्ड 35 के एएचओ से इस संबंध में न तो कोई पूछताछ की गयी और न ही कोई जांच। अब जांच के बाद उनसे जुड़े अन्य अधिकारी भी सामने आएंगे।

नहीं हुई सफाई कर्मचारियों की गिनती

राजधानी में तकरीबन आठ हजार से अधिक सफाई कर्मचारी नगर निगम में काम करते हैं लेकिन कई सालों से गिनती नहीं हुई है कि इनमें से कितने काम पर आते हैं और कितने नहीं। इससे पहले तत्कालीन कमिश्नर मनीष सिंह ने एक बार दशहरे मैदान में इनकी परेड करवायी थी। उसमें कई लोगों की तबियत खराब हो गयी थी और कई के घरों में मैय्यत । अब एक बार फिर नये सिरे से निगम में इन कर्मचारियों की परेड करवाने की तैयारी चल रही है।

मुख्यमंत्री रामनिवास रावत जी को शपथ दिलाकर बाहर निकलकर मीडिया से मुखातिब होते हुए एवं रामनिवास रावत शपथ लेने के बाद अपने समर्थकों से स्वागत करवाते हुए

मरीज़ों को सहज और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय सुनिश्चित करें: उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाताओं ने विभाग के सशक्तिकरण के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया

भोपाल। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से मध्यप्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओ ने भोपाल के निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। अधिष्ठाताओं ने पे-प्रोटेक्शन, लीव-प्रोटेक्शन, सर्विस-प्रोटेक्शन और नॉन-प्रैक्टिसिंग एलाउंस के बारे में उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल द्धारा किये जा रहे प्रयासों के लिये आभार व्यक्त किया और इन्हें शीघ्र लागू करने के लिये निवेदन किया। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने निर्देश दिये कि चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रों की शिक्षा बेहतर करने के लिये प्रयास करें। समस्त अधिष्ठाता अस्पताल के अधीक्षकों के साथ समन्वय कर मरीजों को सहज और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। अधिष्ठाताओं ने महाविद्यालय के संचालन, अधोसंरचना विकास एवं उन्नयन, प्रशासनिक व्यवस्था, वित्तीय आवश्यकता और मेंटेनेंस सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के संबंध में उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को अवगत कराया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शीघ्र आवश्यक सहयोग मुहैया कराने की बात कही।

मेडिकल कॉलेज में प्रशासकीय अधिकारी (वित्त) की नियुक्ति, महाविद्यालयों के उन्नयन, हॉस्टल और अस्पतालों के सिविल और इलेक्ट्रिक उपकरणों के मेंटेनेंस, लेक्चर हॉल और प्रदर्शक रूम को स्मार्ट क्लास में विकसित करने के लिये बजट उपलब्ध कराने का अधिष्ठाताओं ने अनुरोध किया। राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में सहभागिता के लिये नीति बनाने का अनुरोध किया ताकि चिकित्सा शिक्षक और छात्र अपनी रिसर्च को विश्वस्तरीय प्लेटफार्म पर प्रस्तुत कर सकें। बैठक में डॉ प्रमेंद्र सिंह ठाकुर अधिष्ठाता बीएमसी सागर, डॉ कविता सिंह अधिष्ठाता जीएमसी भोपाल, डॉ धाकड अधिष्ठाता ग्वालियर,डॉ सुनील अग्रवाल अधिष्ठाता रीवा, डॉ परमहंस अधिष्ठाता शिवपुरी, डॉ मनीष निगम अधिष्ठाता विदिशा और डॉ मरावी अधिष्ठाता दतिया शामिल हुए।

सुंदरकांड महिला टीम भीम नगर वार्ड 33 रामलाला के दर्शन के लिए अयोध्या रावना विधायक माननीय भगवानदास सबनानी जी द्वारा

गुजरात के डांग में भयानक हादसा, 70 यात्रियों से भरी बस गहरी खाई में गिरी, घूमने गए थे सापुतारा घाट

सूरत से आ रही लग्जरी बस सपुत्र घाट पर खाई में गिरी, सवार थे 70 यात्री। सूरत से आ रही एक लग्जरी बस सापुतारा घाट पर गहरी खाई में गिर गई है. सापुतारा पुलिस और 108 टीम ने घटनास्थल पर बचाव कार्य शुरू कर दिया है. बस में 70 यात्री सवार थे. घायलों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया है.

अधिकारी ने बताया, ÷पर्यटकों से भरी बस के पलट जाने से दो बच्चों की मौत हो गई।÷ उन्होंने बताया कि बस सूरत से पर्यटकों को लेकर आ रही थी जो सापुतारा घूमने आए थे और वापस लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि तीन यात्रियों का निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है तथा अन्य घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि बस राजमार्ग पर एक अन्य वाहन से आगे निकलने के प्रयास में सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए आगे निकल गई।

ओवरटेक करते समय हुआ हादसा- बताया जा रहा कि बस के ड्राइवर ने आगे जा रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान बस खाई में गिरकर पलट गई। राहगीरों ने पुलिस व एंबुलेंस को हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही सापूतारा से कई एंबुलेंस व पुलिस कौ टीमें मौके पर पहुंच गई थीं।

65-70 लोग लग्जरी बस में सवार- जानकारी के मुताबिक, सूरत से 65-70 लोग लग्जरी बस में सवार होकर सापुतारा घूमने गए थे। मगर, सापूतारा को शामगाहन से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के एक संकरे हिस्से पर बस दुर्घटनाग्रस्त हो कर खाई में गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, हादसे के दौरान कुछ लोग लग्जरी बस के नीचे फंस थे। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जिसमें 30 से ज्यादा यात्रियों को छोटी मोटी चोटें आई है।

आज रिमझिम बारिश ने भोपाल को भिगोया और लागों को छतरी और रेनकोट पहनने का सहारा लेना पड़ा किया।

आज रखा जाएगा सिंधिया परिवार का ताजिया, ज्योतिरादित्य सिंधिया निभाएंगे रियासत की परंपरा

कल रात मोहर्रम का चांद दिखने के साथ ही इस्लामिक नए साल की शुरुआत हो गई है। ऐसे में आज देश भर में ताजिए रखे जाएंगे। ग्वालियर में भी ताजिए सजाए जाएंगे। यहां खास बात यह है कि ग्वालियर के इमाम बाड़े में पहला ताजिया सिंधिया राजपरिवार का सजता है। सिंधिया राजपरिवार की यह पुरानी परंपरा निभाने आज ज्योतिरादित्य सिंधिया गोरखी स्थित इमामबाड़े में पहुचेंगे

ताजिए पर सिंधिया की सेहराबंदी- ग्वालियर में गोरखी के इमामबाड़े में आज मोहर्रम के ताजिए सजेंगे। इसमें पहला ताजिया सिंधिया राजपरिवार का होगा। इसके लिए ताजिए की चौकी को धोया गया है। गोरखी स्थित इमाम बाड़े में चौकी रख दी गई है।

शाम 5 बजे ज्योतिरादित्य सिंधिया यहां पहुंचेंगे। इस दौरान सिंधिया की सेहराबंदी होगी। परिवार की परंपरा के अनुसार शहर काजी ग्वालियर राजघराने के महाराज की सेहराबंदी करते हैं। इसके बाद फातिहा पढ़कर दुआ मांगी जाती है। हर साल सिंधिया यह परंपरा निभाने पहुंचते हैं।

राज परिवार के ताजिये पर सिंधिया ने की सेहराबंदी, अमनो-अमान, कौमी एकता, अच्छी बारिश के लिए की दुआ

पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा - मोहर्रम के दिन गोरखी के इमामबाड़े में ताजिया रखने की परंपरा सिंधिया परिवार में पीढ़ियों से चली आ रही है। ग्वालियर के शासक होने के नाते सिंधिया परिवार पहले समय से सभी त्योहार जनता के साथ मनाता आया है। इसमें हिंदुओं के साथ-साथ इस्लामिक त्योहार भी शामिल हैं।

मोहर्रम का ताजिया रखने की परंपरा सबसे पहले प्रथम माधो राव सिंधिया ने शुरू की थी। प्रथम माधो राव सिंधिया, ज्योतिरादित्य सिंधिया के पिता माधवराव सिंधिया के दादा थे। शहर का पहला ताजिया रखने के साथ-साथ सिंधिया परिवार का सदस्य ताजिए पर पहुंचकर सेहराबंदी भी करवाता है।

पिछले साल कुलदेवता की पूजा की थी - ज्योतिरादित्य सिंधिया हर साल ताजिए के सामने सेहराबंदी करवाते हैं। पिछले साल इस दिन जब सिंधिया गोरखी पहुंचे तो पहले कुलदेवता की पूजा की थी। सिंधिया परिवार के राज पुरोहित ने ज्योतिरादित्य सिंधिया से परिवार और पूरे ग्वालियर चंबल अंचल की सुख शांति के लिए पूजा कराई थी। कुलदेवता की पूजा के बाद सिंधिया ने इमाम बाड़े में सेहराबंदी कराई थी।

इस्लामिक नए साल की शुरुआत है मोहर्रम - इस्लाम में मोहर्रम का महीना बहुत खास होता है। इसे रमजान के बाद दूसरा सबसे पवित्र महीना माना जाता है। दरअसल मोहर्रम इस्लामिक नव वर्ष की शुरुआत का महीना होता है। इस महीने में इमाम हुसैन और उनके साथियों की मौत हुई थी। इसलिए मोहर्रम को मातम का महीना भी माना जाता है। इस महीने की 10वीं तारीख को आशूरा कहते हैं। इस्लाम को मानने वालों में इस दिन का खासा महत्व होता है। इस दिन कर्बला की जंग में पैगंबर हजरत मोहम्मद के छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन शहीद हुए थे।

अंतर्राष्ट्रीय क्षमा दिवस - जो लोग क्षमा करते हैं वे क्रोध करने वालों की तुलना में अधिक खुश और स्वस्थ होते हैं - योग गुरु महेश अग्रवाल

क्षमा करने से मन हल्का होता है और डिप्रैशन, क्रोध, स्ट्रैस के स्तर में कमी आती है।

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि लोगों की गलतियों को माफ करने और अपने पुराने मतभेदों को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करने के लिए हर वर्ष 7 जुलाई को वैश्विक क्षमा दिवस मनाया जाता है। जब लोग किसी की भावनाओं या भरोसे को ठेस पहुंचाते हैं, तो बहुत गुस्सा आता है और नाराजगी होती है लेकिन जब वही लोग आपको सच्चा पछतावा दिखाते हैं और आपके साथ अपने रिश्ते को सुधारने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें माफ करने और उन्हें एक मौका देने का विचार आता है। यह लोगों को दूसरों के साथ अपने रिश्ते सुधारने के लिए प्रोत्साहित करने का एक सही अवसर है। ताकि हम बात करने और क्षमा करने की कला के बारे में प्रयत्न कर सकें। यह दिवस उत्कृष्टता, दया और सामंजस्य की भावना को प्रोत्साहित और साथ ही साथ संघर्षों और विवादों को सुलझाने के लिए प्रेरित करता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि क्षमा दिवस हमें बताता है कि जो लोग क्षमा करते हैं वे क्रोध करने वालों की तुलना में अधिक खुश और स्वस्थ होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि किसी को क्षमा करना या क्षमा का मार्ग खोजना कभी-कभी कठिन और चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन कुछ भी असंभव नहीं है। यह दिन दुनिया भर में क्षमा और मेल-मिलाप को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह व्यक्तियों और समुदायों को अपनी नाराजगी को दूर करने के लिए प्रोत्साहित करता है और इसकी बजाय उपचार और शांति के मार्ग के रूप में क्षमा को अपनाता है। इस दिन, लोगों को उनको माफ करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिन्होंने उनके साथ गलत किया है, अपनी गलतियों के लिए माफी मांगी और समझ और करुणा की भावना से संघर्षों को सुलझाने की दिशा में काम किया।

यह व्यक्तिगत संबंधों, समुदायों और यहां तक कि वैश्विक स्तर पर क्षमा के महत्व को प्रतिबिंबत करने का एक अवसर है। इस दिन क्षमा समारोह, संघर्ष समाधान और सुलह पर कार्यशालाएं, क्षमा को बढ़ावा देने वाले सामुदायिक कार्यक्रम, क्षमा कौशल और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हो सकते हैं। यह दिन क्षमा की उपचार शक्ति की याद दिलाता है और व्यक्तियों को द्वेष, नाराजगी और क्रोध को दूर करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हम देखते हैं कि किसी को क्षमा करना बहुत ही मुश्किल होता है लेकिन कुछ भी असंभव नहीं है। जब समाज में लोग इसके लिए आगे आते है तो मन के विचार बदलते है। क्षमा करने से मन हल्का होता है और डिप्रैशन, क्रोध, स्ट्रैस के स्तर में कमी आती है।

मानव कल्याण पर क्षमा का प्रभावजब 20वीं शताब्दी में क्षमा ने विज्ञान का ध्यान खींचा तो वैज्ञानिकों, मनोवैज्ञानिकों और शिक्षकों ने मानव कल्याण पर इसके प्रभाव का अध्ययन करना शुरू किया। उन्होंने अपने अध्ययन में पाया की किसी को माफ करना बहुत बड़ी बात है और इससे शरीर और मन को बहुत ही शांति मिलती है। क्षमा करने के बाद इन्सान बहुत ही हल्का महसूस करता है।

वैश्विक क्षमा दिवस पर हम दुनिया भर में खुद को और अन्यों को क्षमा करने का महत्व समझाते हैं। विश्व भर में इस दिन का मनाया जाना सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर क्षमा की महत्वपूर्णता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। यह दिवस लोगों को एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और समझ के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे व्यक्तिगत संबंधों, समुदायों और वैश्विक स्तर पर दुर्भावनाओं और विवादों का समाधान हो सके। आओ हम सभी मिलकर समाज में कटुता को समाप्त करने के लिए क्षमा का मार्ग अपनाएं और इसे बढ़ावा दें।